RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 153 , गुरुवार, 16 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

जिला के 15 प्रखंडों में डिग्री कॉलेजों का शुभारंभ, ग्रामीण छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के खुले ... 03

अरेराज सोमेश्वर नाथ मंदिर प्रांगण का प्रशासनिक निरीक्षण, सुरक्षा और विधि-व्यवस्था पर... 04

पिटबुल के कॉन्सर्ट में झूमीं अनन्या पांडे, गाया रेन ओवर मी सॉन्ग 07

संक्षिप्त समाचार

भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट का डेटा लीक

- दावा- हैकर्स ने ब्लूप्रिंट, सप्लायर्स और अन्य रिकॉर्ड की जानकारी सार्वजनिक की

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट कुडनकुलम से जुड़े हजारों दस्तावेज लीक हो गए हैं। रायटर्स के मुताबिक, हैकर्स ग्रुप 'वर्ल्ड लीक्स' ने डार्क वेब पर इन दस्तावेजों को अपलोड करने का दावा किया है। इनमें पॉवर प्लांट के कुछ हिस्सों के ब्लूप्रिंट, सप्लायर्स की जानकारी और अन्य रिकॉर्ड सार्वजनिक किए गए हैं। कुडनकुलम प्रोजेक्ट में शामिल अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप ने बयान जारी कर कहा कि थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी 'योट्टा' के सर्वर पर उसके कुछ डेटा में सेंध लगी थी। इस घटना की जानकारी सरकार को दे दी गई है। हालांकि कंपनी ने यह नहीं बताया कि कौन-सा डेटा प्रभावित हुआ।

अमेरिका ने 7 घंटे तक ईरान पर बम बरसाए, 30 की मौत

- सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, ईरान का बहरीन, कुवैत, जॉर्डन में अमेरिकी बेस पर अटैक

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका ने मंगलवार रात लगातार चौथे दिन ईरान पर हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, करीब सात घंटे तक चले ऑपरेशन में होर्मुज स्ट्रेट के आसपास ईरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकानों, नौसैनिक संसाधनों और कोस्टल डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाया गया।उधर, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि उसने जवाबी अभियान शुरू करते हुए बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। आईआरजीसी ने बहरीन के अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट बेस और जॉर्डन के अजराक एयरबेस को निशाना बनाने का भी दावा किया।इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर तेहरान समझौते के लिए आगे नहीं आया, तो अगले हफ्ते बिजलीघरों और पुलों को भी निशाना बनाया जाएगा।

पीजी बिल्डिंग में भीषण आग, दो की मौत

- छतों पर सीढ़ी लगाकर कूदे लोग, मौत के मुंह से ऐसे बचाए गए 50 परिवार

नई दिल्ली/नोएडा(एजेंसी)। नोएडा के ममूरा सेक्टर 66 स्थित एक पांच मंजिला इमारत में बुधवार को भीषण आग लग गई है, जिसमें एक महिला सहित दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इस आग में करीब 50 परिवार फंसे

हुए थे, जिन्हें फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकला गया. जानकारी के मुताबिक, इलेक्ट्रिक व्हीकल में शार्ट सर्किट होने के बाद आग लगी थी. आग नीचे से ऊपर की तरफ बढ़ी, जिसके चलते लोग पीजी से बाहर नहीं निकाल पाए, लोगों को दूसरी बिल्डिंग से रेस्क्यू कर बाहर निकला गया है।

पंचायत-निकाय चुनाव नहीं कराने पर हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में पंचायत-निकाय चुनाव तय समय सीमा में नहीं कराने पर हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने सरकार के चुनाव टालने के प्रार्थना पत्र पर बुधवार को सुनवाई की। हाईकोर्ट ने कहा- अगर राज्य चुनाव आयोग इलेक्शन कराने में सक्षम नहीं है तो हम हाईकोर्ट से किसी को चुनाव कराने के लिए अपॉइंट कर देते हैं।हाईकोर्ट ने सरकार से कहा- हमें सख्त आदेश पास करने के लिए मजबूर मत कीजिए। कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग और ओबीसी कमीशन की कार्यशैली को लेकर मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर इसके सदस्य सक्षम नहीं हैं तो उन्हें हटाकर सक्षम व्यक्ति को काम दीजिए।कोर्ट ने अदालती आदेश की पालना नहीं करने पर गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त राजेश्वर सिंह और ओबीसी आयोग के सदस्य सचिव को तलब किया है।

कैबिनेट में हुए 7 बड़े फैसले

बनारस में गंगा किनारे बनेगा एलिवेटेड कॉरिडोर, रेल अपग्रेड को मंजूरी

1.27 लाख करोड़ रुपये के सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 को हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार, 15 जुलाई को सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग से लेकर मोबाइल फोन प्रोडक्शन तक कई बड़े फैसलों को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों में इंफ्रास्ट्रक्चर, फर्टिलाइजर और रेलवे प्रोजेक्ट्स से जुड़े सात बड़े फैसले हैं। इस पैकेज में सेमीकॉन 2.0, मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम और यूरिया-2026 के लिए नेशनल इन्वेस्टमेंट पॉलिसी शामिल हैं, जिन पर कुल 2,19,353 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट और कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स की बैठक हुई। इसके बाद प्रेस ब्रीफिंग में कैबिनेट के फैसलों के बारे में जानकारी दी गई।

प्रेस ब्रीफिंग केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, मैं आपके सामने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट और कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स द्वारा लिए गए सात बड़े फैसले पेश कर रहा हूं।

सेमीकॉन 2.0 मिशन को मंजूरी

आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आगे बताया कि कैबिनेट ने 1.27 लाख करोड़ रुपये के बजट के साथ इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन या सेमीकॉन 2.0 मिशन के दूसरे एडिशन को मंजूरी दे दी है। अश्विनी वैष्णव ने चिप बनाने को बढ़ावा देने के साथ-साथ, मोबाइल पीएलआई स्कीम को बढ़ाने देने की भी घोषणा की, जिसके दूसरे एडिशन के लिए 62,500 करोड़ रुपये रखे गए हैं।

9 नए यूरिया प्लांट लगाए जाएंगे- केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, चौथा फैसला मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम को मंजूरी देना है। पांचवां फैसला भारत को यूरिया के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के मकसद से लिया गया है, जिसके लिए आज यूरिया के लिए नेशनल इन्वेस्टमेंट पॉलिसी को मंजूरी दी गई, जिसके तहत 9 नए यूरिया प्लांट लगाए जाएंगे।

दो नए रेलवे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के मोर्चे पर, कैबिनेट ने दो प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी। अश्विनी वैष्णव ने 2,542 करोड़ रुपये की लागत से पारादीप-हरिदासपुर रेलवे लाइन को डबल करने और डंगोआपोसी और राजखरसवां के बीच चौथी रेलवे लाइन बनाने की घोषणा की, जिसमें 1,365 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है।

वाराणसी के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोग्राम

- वाराणसी के लिए दूसरा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट
- सेमीकॉन 2.0 मिशन
- मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम
- यूरिया के लिए नेशनल इन्वेस्टमेंट पॉलिसी
- पारादीप-हरिदासपुर रेलवे लाइन का ट्रैक डबलिंग
- डंगोआपोसी और राजखरसवां के बीच चौथी रेलवे लाइन

वाराणसी में बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स

कैबिनेट के दो फैसले वाराणसी के विकास को लेकर हैं। ये फैसले बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स से जुड़े हैं। कैबिनेट ने नेशनल हाईवे-19 (एनएच-19) को वाराणसी रिंग रोड से जोड़ने वाले 46.039 किलोमीटर लंबे लिंक कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दी है।

राजस्थान-एमपी में मानसून थमा

यूपी-बिहार में भारी बारिश

- बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाओं का असर; ओडिशा में रेड अलर्ट

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर (एजेंसी)। मानसून देशभर में एक जैसा काम नहीं कर रहा है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में मानसून थम गया है। जबकि बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में तेज बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून ट्रफ, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाएं पूर्वी भारत में आकर रुक गई हैं। इससे पश्चिम-उत्तर भारत तक पर्याप्त मात्रा में नम हवाएं नहीं पहुंच पा रही हैं, इसलिए बारिश कम हो रही है।

मौसम विभाग के मुताबिक, कुछ दिनों बाद नया लो-प्रेशर सिस्टम बनने या मानसून ट्रफ के पश्चिम की ओर बढ़ने पर इन राज्यों में भी अच्छी बारिश शुरू हो सकती है।

असम-अरुणाचल में बाढ़ से 1.40 लाख लोग प्रभावित

अरुणाचल प्रदेश में पिछले 24 घंटों में बाढ़, लैंडस्लाइड और भारी बारिश से चार जिलों में नुकसान हुआ। राज्य में 1.02 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं, अब तक 7 लोगों की मौत और 29 घायल हुए हैं। वहीं, असम के 6 जिलों के 99 गांव बाढ़ की चपेट में हैं, जहां 37,032 लोग प्रभावित हैं। सबसे ज्यादा असर लखीमपुर जिले में है।

ओडिशा में जगन्नाथ रथयात्रा से पहले रेड अलर्ट

मौसम विभाग ने ओडिशा के कई इलाकों में रथ यात्रा के दौरान भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इनमें पुरी भी शामिल है। यह चेतावनी बंगाल की खाड़ी में बनने वाले कम दबाव के क्षेत्र के कारण जारी की गई है। अगले 24 घंटों के दौरान बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिमी बांग्लादेश के तटों पर कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। मौसम में हो रहे इस बदलाव के कारण बुधवार से शुक्रवार सुबह तक पुरी में भारी से बहुत भारी बारिश होने की आशंका है।

पुरी में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा आज से शुरु

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा 16 जुलाई, गुरुवार से शुरू होगी। यह भव्य उत्सव 24 जुलाई तक चलेगा, जिसमें 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। रथयात्रा को लेकर पुरी के होटल और लॉज पूरी तरह फुल हो चुके हैं।जिला प्रशासन के मुताबिक, इस साल फरवरी से ही बुकिंग शुरू हो गई थी। मंदिर और रथयात्रा मार्ग के आसपास के होटल-लॉज की सबसे ज्यादा मांग है। खासकर जिन होटलों की बालकनी या खिड़की रथयात्रा मार्ग की ओर खुलती है, उनके लिए सबसे ज्यादा मारामारी है।

पिछले साल के मुकाबले होटल और लॉज का किराया 10 गुना तक बढ़ गया है। जिन लॉज का सामान्य किराया 1500 से 2000 रुपए होता है, उनका किराया रथयात्रा के दौरान तीन दिन के लिए 50 हजार रुपए तक पहुंच गया है। पूरे शहर में करीब 1200 होटल हैं।

भारत और ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड डील लागू

- सस्ती हो गईं व्हिस्की, रम, वोडका, लग्जरी कारें और ब्यूटी प्रॉडक्ट्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ब्रिटेन के बीच आज बुधवार 15 जुलाई 2026 से व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) लागू हो गया है। इस एग्रीमेंट के लागू होते ही दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों का एक नया दौर भी शुरू हो गया है. इस समझौते से भारतीय निर्यात को ब्रिटेन के बाजार में बिना शुल्क के पहुंच मिलेगी। इसके साथ-साथ ब्रिटेन से भारत आने वाले कई प्रॉडक्ट पर उत्पाद शुक्ल भी चरणबद्ध तरीके से घटाया जाएगा। इससे कृषि, उद्योग, सेवा सेक्टर,

एमएसएमई और पेशेवरों को नए अवसर मिलने की संभावना है। दोनों देशों के लिए यह डील काफी अहम मानी जा रही है, जो दोनों देशों के व्यापार को एक नई दिशा देने का काम करेगी।

सीबीएसई डिजिटल मार्किंग सिस्टम

सुप्रीम कोर्ट ने छात्रों की पीड़ा पर संज्ञान लिया, एसजी से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के डिजिटल मार्किंग सिस्टम से विद्यार्थियों की 'निराशा' पर चिंता जताई और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से एक पीआईएल में सहायता मांगी, जिसमें केंद्र सरकार और सीबीएसई से ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम के जरिये परीक्षा कराने के लिए नियम बनाने की अपील की गई है।

यह मामला भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता

वाली तीन जजों की पीठ के सामने आया. सीजेआई ने सॉलिसिटर जनरल से केस से निपटने में सहायता मांगते हुए कहा, छोटे बच्चों की निराशा देखिए। पीठ, जिसमें जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना भी शामिल थे, ने कहा कि डिजिटल मूल्यांकन प्रक्रिया में व्यवस्थित धीरे-धीरे आने वाली दिक्कतें लगती हैं। सीबीएसई का ओएसएम मूल्यांकन सिस्टम एक डिजिटल ग्रेडिंग तरीका है, जिसमें शिक्षक फिजिकल पेपर स्क्रिप्ट चेक करने के बजाय कंप्यूटर पर फिजिकल आंसर शीट की स्कैन की हुई कॉपी का मूल्यांकन करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले में स्टेटस रिपोर्ट मांगी

मेहता ने कहा, हम इसे बुरा नहीं मान रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि याचिका में बताई गई अलग-अलग मार्कशीट की गड़बड़ियों के बारे में समाधान कर लिया गया है, और जोर देकर कहा कि सरकार सिस्टम से जुड़े मामलों को गंभीरता से ले रही है।

पंजाब कांग्रेस में दरार

भूपेश बघेल ने पार्टी हाईकमान को रिपोर्ट सौंपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस के प्रदेश नेताओं में चल रही अंदरूनी लड़ाई के बीच, पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रदेश प्रभारी भूपेश बघेल ने बुधवार को इस मामले पर पार्टी हाईकमान को अपनी रिपोर्ट सौंपी।

यह नया डेवलपमेंट उनके हाल के पंजाब दौरे के बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले, मनमुटाव दूर करने और सबको एक साथ रखने के लिए प्रदेश यूनिट के नेताओं से बातचीत की थी। 117 सदस्यों वाली पंजाब विधानसभा के चुनाव अगले साल की शुरुआत में होने हैं।

खास बात यह है कि इस महीने की शुरुआत में पार्टी हाईकमान द्वारा आने वाले विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव कमेटियां बनाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग के बीच अनबन सामने आई है। कांग्रेस ने चन्नी को कैंपेन कमेटी का चेयरपर्सन

बनाया। पार्टी ने तब साफ कहा कि वारिंग पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष बने रहेंगे। इससे चन्नी के समर्थकों ने विरोध शुरू कर दिया है, जो उन्हें पार्टी की राज्य इकाई का प्रमुख बनाने की मांग कर रहे हैं।

कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल से उनके घर पर मिलने के बाद मीडिया से बात करते हुए पंजाब के कांग्रेस प्रभारी बघेल ने कहा, मैंने पंजाब का छह दिन का दौरा किया और वहां के सभी नेताओं से मुलाकात की। मैंने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्यों के साथ आमने-सामने बैठकें कीं और सभी से नाश्ते, दोपहर के भोजन और रात के खाने पर मुलाकात की. मैंने इस बारे में रिपोर्ट केसी वेणुगोपाल को सौंप दी है।

रिपोर्ट में की गई किसी भी सिफारिश के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कोई भी जानकारी देने से मना कर दिया। राज्य नेतृत्व में किसी भी बदलाव के बारे में पूछे जाने पर बघेल ने स्पष्ट रूप से कहा, यह बच्चों का खेल नहीं है। यह बताना जरूरी है कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने पहले भी यही बात दोहराई थी, जब उनसे विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब यूनिट में किसी बदलाव के बारे में पूछा गया था।

राममंदिर चढ़ावा चोरी-2 आरोपियों को जेल से ले गई पुलिस

- पूछेगी- पैसा कैसे चुराया, कहां छिपाया? सीईओ के लिए 24 घंटे में 1000 आवेदन

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी रमाशंकर मिश्रा और रिटायर्ड बैंककर्मी सुभाष श्रीवास्तव को पुलिस ने 14 घंटे की रिमांड पर लिया है। बुधवार सुबह 8 बजे पुलिस फैजाबाद जेल पहुंची और दोनों को पुलिस लाइन ले गई। पूछताछ के बाद आरोपियों को उनके घर भी ले जाया जा सकता है।पुलिस पता लगाएगी कि आरोपियों ने चढ़ावे के पैसे कैसे चुराए, उन्हें कहां छिपाया? रमाशंकर के पास चढ़ावे को काउंटिंग रूम तक पहुंचाने की जिम्मेदारी थी। पुलिस को उसके बैंक खाते में 7.32 लाख रुपए मिले हैं। सुभाष चढ़ावा गिनने वालों की निगरानी करते थे। एसबीआई के रिटायर कर्मचारी हैं।

14 जुलाई (मंगलवार) को पुलिस ने रमाशंकर और सुभाष श्रीवास्तव को कोर्ट में पेश कर 7 दिन की रिमांड मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने 14 घंटे की रिमांड मंजूर की थी। इससे पहले, पुलिस आरोपी अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा और करुणेश पांडेय को 40 घंटे की रिमांड पर लेकर पूछताछ कर चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

21 ग्राम हेरोइन के साथ तस्कर पकड़ाया, 54 डिब्बों में रखी थी, फील्ड में ग्राहक का कर रहा था इंतजार

हाजीपुर। वैशाली की सराय थाना पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मनसूरपुर गांव स्थित गैमन इंडिया कंपनी के फील्ड से तस्कर को 21 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति हेरोइन लेकर ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस की गश्ती टीम मौके पर पहुंची। पुलिस वाहन को देखते ही संदिग्ध व्यक्ति भागने लगा, लेकिन टीम ने पीछा कर उसे दबोच लिया। तलाशी के दौरान आरोपी की जेब से 54 डिब्बों में रखी कुल 21 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सराय थाना क्षेत्र के शम्भोपुर गांव निवासी रामपदारथ सिंह के पुत्र शैलेश कुमार सिंह के रूप में हुई है। सदर एसडीपीओ गोपाल मंडल ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। बरामद हेरोइन को जब्त कर लिया गया है और आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी को मादक पदार्थ कहां से मिला और उसके नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं।

बाइक सवार मजदूर की हत्या, अपराधियों ने सिर में मारी गोली, परिजन बोले- कुछ लोगों से पुराना विवाद था

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में मजदूर की हत्या हुई है। उसके सिर में गोली मार दी। मृतक राकेश कुमार है, जो अपने किराय के घर से बाइक लेकर निकला था। इसी दौरान रास्ते में उसे अपराधियों ने घेरा। डीएसपी नगर विनीता सिन्हा ने बताया कि पुलिस को जैसे ही कोल्हुआ इलाके में एक युवक को गोली मारे जाने की सूचना मिली, टीम ने कार्रवाई की। पुलिस जब मौके पर पहुंची, तो युवक खून से लथपथ पड़ा था। उसके सिर में बेहद करीब से गोली मारी गई थी, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने मृतक के परिजनों से प्रारंभिक पूछताछ की है। परिजनों ने बताया कि राकेश का कुछ लोगों के साथ किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। शुरुआती जांच के आधार पर आशंका जताई जा रही है कि इसी पुरानी रंजिश के कारण अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है। घटना अहियापुर थाना क्षेत्र की है।

मृतक राकेश कुमार अहियापुर थाना क्षेत्र के कोल्हुआ इलाके में किराए के मकान में रहता था और मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। बताया जा रहा है कि वह रोज की तरह अपने किराए के घर से निकलकर चौड़ के रास्ते जा रहा था, तभी अपराधियों ने उसे निशाना बनाया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया। नगर पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी नगर) विनीता सिन्हा अहियापुर थाना पुलिस बल के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचीं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हत्याकांड की जांच के लिए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL) की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। एफएसएल टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर महत्वपूर्ण वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए हैं। डीएसपी विनीता सिन्हा ने बताया जमीन विवाद, आपसी दुश्मनी और हाल के दिनों में मनमुटाव को केंद्र में रखकर सुराग तलाशे जा रहे हैं। पुलिस अपराधियों के बेहद करीब है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर इस पूरे हत्याकांड का उद्भेदन कर दिया जाएगा।

सोनपुर मंडल को मिला 31.99 लाख रुपए का राजस्व, मेगा टिकट जांच अभियान के तहत 3,660 मामले दर्ज

हाजीपुर। सोनपुर मंडल ने एक विशेष मेगा टिकट जांच अभियान के तहत 31,99,897 का राजस्व अर्जित किया है। इस अभियान के दौरान कुल 3,660 मामले दर्ज किए गए। यह कार्रवाई यात्रियों को सुरक्षित और सुव्यवस्थित यात्रा सुविधा प्रदान करने तथा रेलवे राजस्व की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई थी। मंडल रेल प्रबंधक श्री अमित सरन के नेतृत्व और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक धीरज कुमार के मार्गदर्शन में यह अभियान चलाया गया। सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, मानसी, खगड़िया और नवगछिया जैसे प्रमुख स्टेशनों सहित मंडल के विभिन्न मेल/एक्सप्रेस और यात्री ट्रेनों में सघन जांच की गई। जांच दलों ने बिना टिकट यात्रा करने वाले, अनियमित टिकट वाले और बिना उचित प्राधिकरण के यात्रा करने वाले यात्रियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की। इस अभियान का मुख्य लक्ष्य टिकट संबंधी अनियमितताओं को रोकना था। यह अभियान रेलवे राजस्व की सुरक्षा और टिकट जांच व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में सोनपुर मंडल के सतत प्रयासों को दर्शाता है। मंडल यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित और पारदर्शी यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सोनपुर मंडल ने सभी रेल यात्रियों से अपील की है कि वे हमेशा वैध टिकट के साथ यात्रा करें और रेलवे नियमों का पालन करें। मंडल ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षित, सुगम और अनुशासित रेल यात्रा सुनिश्चित करने के लिए भविष्य में भी इसी तरह के विशेष मेगा टिकट जांच अभियान जारी रहेंगे।

तकिए में छिपाए थे 11.37 लाख कैश, मास्टरमाइंड समेत 4 गिरफ्तार, 10 लाख की ज्वेलरी बरामद

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर पुलिस ने घरों में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश किया है। अहियापुर थाना क्षेत्र में सक्रिय इस गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 11.37 लाख रुपये नकद और करीब 10 लाख रुपये की सोने-चांदी की ज्वेलरी बरामद की है। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि आरोपियों ने नकदी को तकिए के गिलाफ में सिलकर छिपा कर रखा था, ताकि किसी को शक न हो। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अहियापुर थाना क्षेत्र के नीतीश कुमार और धर्मेंद्र सहनी, नगर थाना क्षेत्र के मिथुन महतो और सरैया थाना क्षेत्र के दुर्गेश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार धर्मेंद्र सहनी और मिथुन महतो गिरोह के मास्टरमाइंड हैं, जबकि अन्य दोनों चोरी की वारदातों में उनकी मदद करते थे। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे पहले कई दिनों तक इलाके की रेकी करते थे। जिस घर में चोरी करनी होती, उसके मुख्य गेट पर अखबार या कोई अन्य सामान रख देते थे। यदि कई दिनों तक वह सामान वहीं पड़ा रहता, तो वे समझ जाते कि घर खाली है। इसके बाद रात के समय साइकिल से पहुंचकर घर का ताला तोड़ते और चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाते थे। पुलिस जब आरोपियों के ठिकाने पर पहुंची तो तलाशी के दौरान तकिए के गिलाफ में सिलकर रखी गई नकदी बरामद हुई। आरोपियों ने पुलिस से बचने के लिए यह तरीका अपनाया था। इसके अलावा उनके पास से बड़ी मात्रा में चोरी के सोने-चांदी के आभूषण भी बरामद किए गए। जांच में सामने आया है कि गिरोह के मास्टरमाइंड धर्मेंद्र सहनी और मिथुन महतो का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। दोनों शराब पीने और शराब तस्करी के मामलों में जेल जा चुके हैं। पुलिस के मुताबिक चोरी से मिले रुपये का इस्तेमाल अवैध शराब के कारोबार और अन्य आपराधिक गतिविधियों में किया जाता था। टाउन-2 एसडीपीओ बिनीता सिन्हा ने बताया कि गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर 11.37 लाख रुपये नकद और करीब 10 लाख रुपये के आभूषण बरामद किए गए हैं। आरोपियों के मोबाइल फोन की जांच की जा रही है, ताकि गिरोह के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज का पता लगाया जा सके। उन्होंने बताया कि पुलिस यह भी जांच कर रही है कि चोरी के आभूषण किन सर्राफा कारोबारियों को बेचे जाते थे और इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

जदयू कार्यालय के बाहर छोटू सिंह के समर्थकों का हंगामा

निशांत के सामने 'पार्टी में वापस लो' के लगे नारे, बांकीपुर उपचुनाव में नुकसान की दी चेतावनी

एजेंसी, पटना

पटना में जदयू प्रदेश कार्यालय के बाहर आज पार्टी से निष्कासित नेता अरविंद सिंह उर्फ छोटू सिंह के समर्थकों ने प्रदर्शन किया। समर्थकों ने छोटू सिंह की तस्वीर हाथ में लेकर नारेबाजी की और उन्हें दोबारा पार्टी में शामिल करने की मांग की। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे और स्वास्थ्य मंत्री निशांत के सामने समाने उन्होंने यह मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान नीतीश कुमार और निशांत कुमार के समर्थन में भी नारे लगाए गए। पार्टी नेतृत्व से निष्कासन का फैसला वापस लेने की अपील की गई।

वापसी की मांग, उपचुनाव में नुकसान की चेतावनीः प्रदर्शन कर रहे समर्थकों का कहना था कि छोटू सिंह लंबे समय से जदयू के सक्रिय कार्यकर्ता रहे हैं। उनका दावा है कि अगर उन्हें पार्टी में वापस नहीं लिया गया तो इसका असर बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव पर पड़ सकता है। NDA को राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। समर्थकों ने कहा कि पार्टी नेतृत्व को अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए।

अनंत सिंह ने भी जताई थी नाराजगीः छोटू सिंह के निष्कासन पर मोकामा विधायक अनंत सिंह ने भी सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि यदि किसी से एक बार गलती हो जाए तो उसे माफ कर देना चाहिए। इतनी छोटी गलती पर किसी पुराने कार्यकर्ता को पार्टी से बाहर करना उचित नहीं है।

6 साल के लिए किया गया है निष्कासितः जदयू ने 10 जुलाई को पार्टी विरोधी गतिविधियों का आरोप लगाते हुए अरविंद सिंह उर्फ छोटू सिंह को 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया था। बताया जाता है कि जदयू की नई प्रदेश टीम में जगह नहीं मिलने के बाद छोटू सिंह ने पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के सामने अपनी नाराजगी जाहिर की थी। इस दौरान का एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें कार्यकारी अध्यक्ष उन्हें यह कहते हुए सुनाई दिए थे कि "यहां माहौल मत बनाइए।"

छोटू सिंह लंबे समय से जदयू से जुड़े रहे हैं और उन्हें अक्सर पूर्ण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, मंत्री अशोक चौधरी के कार्यक्रमों में देखा जाता रहा है। हाल ही में जदयू कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उन्हें मंच पर माला पहनाकर सम्मानित भी किया था। अब उनके निष्कासन के बाद समर्थकों का विरोध और वापसी की मांग राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बनी हुई है।

जनसुराज के 3 कैंडिडेट्स बीजेपी में शामिल, केसी सिन्हा ने भी छोड़ा साथ

एजेंसी, पटना

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव से पहले प्रशांत किशोर को बड़ा झटका लगा है। 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में जनसुराज के बांकीपुर से उम्मीदवार रहे प्रो. केसी सिन्हा ने बुधवार को भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय सरावगी ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। प्रो. केसी सिन्हा के साथ जन सुराज के कई प्रमुख नेताओं और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भी भाजपा का दामन थामा। इस दौरान दीघा विधानसभा क्षेत्र से जन सुराज के पूर्व प्रत्याशी बिट्टू सिंह और मनेर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी गोपाल सिंह भी भाजपा में शामिल हो गए। बीजेपी में शामिल होने के बाद गोपाल सिंह ने पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, "कोई अहंकारी (अरोगेंट) व्यक्ति संगठन नहीं चला सकता। प्रशांत किशोर के पास कोई विजन नहीं है।"

वहीं, दीघा से जन सुराज के पूर्व प्रत्याशी बिट्टू सिंह ने भाजपा की सदस्यता लेने के बाद कहा कि उनका राजनीतिक भविष्य अब भाजपा के साथ ही रहेगा। उन्होंने कहा, "अब बीजेपी छोड़कर कहीं नहीं जाऊंगा। जीना यहां, मरना यहां।" भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर जनसुराज के कई नेता भाजपा में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा, "मैं सभी का भाजपा परिवार में स्वागत करता हूं। ये सभी लोग पूरी मजबूती के साथ पार्टी के लिए काम करेंगे और संगठन को और मजबूत बनाएंगे।" प्रोफेसर केसी सिन्हा का जन्म 29 दिसंबर 1954 को भोजपुर में हुआ था। वे गणित के प्रख्यात विद्वान हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत शिक्षा के क्षेत्र में की और उत्कृष्ट शिक्षण और अनुसंधान के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने पटना विश्वविद्यालय के प्रधानाचार्य पद से रिटायरमेंट के बाद नालंदा ओपन विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर के पद पर भी काम किया है।

पटना के टॉप-10 अपराधियों में शामिल अमन गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना सेंट्रल इलाके के टॉप 10 अपराधियों में शामिल अमन को पटना पुलिस और STF ने संयुक्त कार्रवाई में अरेस्ट किया है। अमन उर्फ सागर (24 वर्ष) को आज दानापुर जंक्शन से अरेस्ट किया गया है। आरोपी खुसरूपुर के रुकनपुरा का रहने वाला है। वह अलग-अलग चेन स्नेचिंग की वारदात में शामिल था। पुलिस उसे तलाश रही थी, लेकिन वह पिछले 3 साल से फरार चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी अमन बेहद शातिर अपराधी है। वह पटना के पाटलिपुत्र और आसपास के इलाकों में घूम-घूमकर अकेली जा रही महिलाओं को निशाना बनाता था। आरोपी पलक झपकते ही सोने की चेन झपटकर फरार हो जाता था। अमन के खिलाफ शहर के कई थानों में चेन स्नेचिंग और लूटपाट के कई मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ पाटलिपुत्र में 2, पत्रकार नगर थाना पटना में एक, मुफस्सिल थाना बक्सर भी 1 केस दर्ज है। अमन पिछले 3 सालों से पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था और लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था। पाटलिपुत्र थानेदार अतुलेश कुमार सिंह ने अमन की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि STF और पाटलिपुत्र थाना पुलिस को आरोपी के इलाके में मौजूद होने की गुप्त सूचना मिली थी, जिसके बाद फौरन कार्रवाई करते हुए जाल बिछाकर उसे दबोच लिया गया। अब पुलिस अमन से कड़ाई से पूछताछ कर रही है, ताकि उसके गिरोह के अन्य सदस्यों और लूटी गई चेन को खरीदने वाले सुनारों का पता लगाया जा सके।

पीएमसीएच में तीसरे दिन भी आउटसोर्सिंग कर्मियों की हड़ताल, बिना चादर भर्ती हुए मरीज

एजेंसी, पटना

आयुष्मान सेवाएं भी प्रभावित, छह महीने से वेतन नहीं मिलने का आरोप

पटना के PMCH में आउटसोर्सिंग कर्मियों की हड़ताल बुधवार को तीसरे दिन भी जारी है। कर्मचारी बकाया वेतन, वेतन वृद्धि और नियमितीकरण की मांग कर रहे हैं। कर्मचारियों ने बुधवार को नियोजन भवन का घेराव किया। अस्पताल प्रशासन और एजेंसी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आंदोलन के कारण अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो गई हैं। इमरजेंसी से लेकर वार्डों तक मरीजों और उनके परिजनों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा। हड़ताल के कारण अस्पताल के अधिकांश वार्डों में साफ चादरों की व्यवस्था नहीं हो सकी।

मरीजों को साफ चादर भी नहीं मिलीः मंगलवार को अस्पताल के अधिकांश वार्डों में भर्ती मरीजों को साफ चादर उपलब्ध नहीं हो सकी। कई बेड पुराने और गंदे चादरों के साथ ही पड़े रहे, जबकि गंभीर और नए मरीजों को बिना चादर के ही बेड पर लिटाया गया, जिससे उन्हें खासी दिक्कत हुई। अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन की व्यवस्था पर नाराजगी जताई। कुछ परिजन तो अस्पताल के स्टोर तक पहुंच गए और खुद सरकारी चादर उपलब्ध कराने की मांग करने लगे। कर्मचारियों का कहना है कि समय पर वेतन नहीं मिलने से परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है। कई कर्मचारियों ने कहा कि बच्चों की पढ़ाई, घर का किराया और दैनिक जरूरतों का खर्च उठाना भी चुनौती बन गया है। लेकिन इसके बावजूद उन्हें मेहनताना समय पर नहीं मिल रहा है। बुधवार को सैकड़ों की संख्या में आउटसोर्सिंग कर्मचारी नियोजन भवन पहुंचे और बकाया वेतन के भुगतान की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

आयुष्मान योजना की सेवाओं पर भी असरः हड़ताल का असर केवल वार्डों तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि आयुष्मान भारत योजना के तहत मिलने वाली सुविधाएं भी प्रभावित हुईं। मरीजों ने बताया कि दवा वितरण और इलाज से जुड़ी फाइलों पर हस्ताक्षर कराने के लिए कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। इसके कारण बड़ी संख्या में नए मरीजों को मुफ्त दवाएं नहीं मिल सकीं। पुराने मरीजों को किसी तरह दवाएं उपलब्ध कराई गईं, लेकिन नए मरीजों को दवाओं के लिए लंबे समय तक भटकना पड़ा। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर PMCH के अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और हड़ताली कर्मियों से बातचीत कर काम पर लौटने की अपील की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि एजेंसी से इस मुद्दे पर बातचीत चल रही है और जल्द ही बकाया वेतन का भुगतान कराया जाएगा। हालांकि, प्रदर्शनकारी कर्मचारी इस आश्वासन से संतुष्ट नहीं हुए। उनका कहना है कि जब तक एजेंसी के जिम्मेदार अधिकारी स्वयं आकर लिखित या स्पष्ट आश्वासन नहीं देंगे, तब तक वे काम पर वापस नहीं लौटेंगे।

होटल से नाबालिग बहनों का रेस्क्यू, एक युवक गिरफ्तार, होटल-लॉज-मकानों में छापेमारी जारी

एजेंसी, पटना

पटना जंक्शन के आसपास कथित सेक्स रैकेट और संदिग्ध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। पिछले दो दिनों से जक्कनपुर थाना पुलिस होटल, लॉज और संदिग्ध मकानों की तलाशी ली जा रही है। इसी कार्रवाई के दौरान बुधवार को जक्कनपुर के नंद बिहार होटल से दो सगी नाबालिग बहनों को रेस्क्यू किया गया है। दोनों को कथित तौर पर बहला-फुसलाकर नालंदा से पटना लाया गया था। पुलिस ने मौके से नालंदा निवासी एक युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पटना जंक्शन के आसपास लगातार पुलिस छापेमारी कर रही है।

परिजनों ने बताया- मंगलवार सुबह से थीं लापताः पुलिस ने रेस्क्यू कर नाबालिग बहनों के परिजनों को खबर की। सूचना मिलते ही परिजन थाने पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मंगलवार सुबह से दोनों बहनें गायब हो गई थीं। उन्होंने दोनों की काफी तलाश की, लेकिन दोनों का कोई पटना नहीं चला। परिजनों का कहना है कि उन्हें बहला फुसलाकर पटना लाया गया था। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों को सुरक्षित परिजनों के हवाले कर दिया है।

एक युवक को न्यायिक हिरासत में भेजाः इन बहनों के साथ एक युवक पकड़ा गया है, जिसे पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। युवक भी नालंदा जिला का ही रहने वाला है। हालांकि, तलाशी के दौरान मौके से कोई आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुआ है। अब यह जांच की जा रही है कि उन्हें पटना किस उद्देश्य से लाया गया था और इस मामले में अन्य लोगों की भी संलिप्तता है या नहीं।

पटना जंक्शन के आसपास बढ़ेगी निगरानीः पुलिस सूत्रों के अनुसार, पटना जोन के आईजी जितेंद्र राणा ने इस घटना को गंभीरता से लेयिा है। उन्होंने पटना जंक्शन और आसपास चल रहे इस रैकेट के खिलाफ पुलिस पदाधिकारियों को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने पटना जंक्शन के आस पास परमानेंट पुलिसकर्मियों को मॉनिटरिंग के लिए मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत जंक्शन, करबिगहिया और आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में स्थायी रूप से पुलिसकर्मियों की तैनाती कर मॉनिटरिंग बढ़ाई जाएगी।

आईजी करेंगे संचालकों संग हाईलेवल मीटिंग

होटल, लॉज संचालकों के साथ करेंगे बैठकः पुलिस संयुक्त रूप से पटना जंक्शन, करबिगहिया, मीठापुर पुराने बस स्टैंड के आस पास के होटल, लॉज, संचालकों के साथ मीटिंग करने की तैयारी में है। उन्हें इस तरह के किसी भी अनैतिक गतिविधि को लेकर सख्त हिदायत दी गई है। पुलिस संयुक्त रूप से पटना जंक्शन, करबिगहिया और मीठापुर पुराने बस स्टैंड के आसपास स्थित होटल और लॉज संचालकों के साथ संयुक्त बैठक करने की तैयारी में है। बैठक में संचालकों को अनैतिक गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने कहा जाएगा। बिना सत्यापन किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को कमरा नहीं देने की सख्त हिदायत दी जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले में यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह कोई संगठित नेटवर्क का हिस्सा है या एक अलग घटना।

पटनासिटी में व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

एजेंसी, पटना

पटनासिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र की चंद्रवंशी गली में बुधवार को एक 40 वर्षीय युवक ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही आलमगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

मृतक की पहचान सूरज कुमार (40) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह एक प्रिंटिंग प्रेस में काम करता था और परिवार का भरण-पोषण करता था। स्थानीय लोगों की सूचना पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई।

मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा लग रहाः पटना सिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी 1 राज किशोर कुमार सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि शुरुआती जांच में यह मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। प्रथम दृष्टया यह सामने आया है कि मृतक और उसकी पत्नी के बीच पिछले करीब छह महीनों से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। इसी तनाव के कारण युवक द्वारा यह कदम उठाए जाने की आशंका है। एसडीपीओ ने आगे बताया, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'थर्ड जेंडर होने की वजह से नॉमिनेशन रद्द कराया गया'

एजेंसी, पटना

प्रिया राज प्रियांशु किन्नर का नॉमिनेशन रद्द हो गया है। इसे लेकर बुधवार के दिन उन्होंने मीडिया से बातचीत की। जिसमें साजिशन नॉमिनेशन रद्द कराने का आरोप लगाया है। प्रियांशु राज ने कहा कि मैं थर्ड जेंडर से आता हूं। अपने समाज के लिए कुछ करना चाहती थी। बहुत उम्मीद के साथ नॉमिनेशन बगैर किसी त्रुटि दाखिल की। लेकिन उसे रद्द कर दिया गया है। उनका कहना है कि एक जगह मेरा हस्ताक्षर छूट गया है। जबकि वहां मौजूद पदाधिकारी नॉमिनेशन दाखिल करने के वक्त कुछ नहीं बताएं। उनकी जिम्मेदारी बनती है किस पेपर पर साइन छूटे हैं। जबकि मेरे दूसरे डॉक्यूमेंट प्रस्तावक वगैरह सब कुछ सही है। सिर्फ हस्ताक्षर के लिए नॉमिनेशन रद्द करना पूरी तरह से साजिश है। उन्होंने आरोप लगाया है कि खास करके कायस्थ, वैश्य समाज से आने वाले लोगों का नॉमिनेशन रद्द कराया गया है। ताकि बीजेपी जो इस उप चुनाव में चाहती है, वह पूरी कर सके। मैं जिला प्रशासन से कहना चाहूंगी यह गलती सिर्फ मेरी नहीं है, इसकी जांच होनी चाहिए। मेरे साइन छूटे हैं या उसमें अतिरिक्त पेपर लगाकर मेरा नॉमिनेशन रद्द कराया गया है। मैं इसका जवाब चाहती हूं। प्रिया राज सिंह का यह भी कहना है थर्ड जेंडर से आने की वजह से मेरे साथ भेदभाव हुआ है।

पटना संजय यादव हत्याकांड, चार दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं

एजेंसी, पटना

परिजनों ने आंदोलन की दी चेतावनी, एसआईटी गठित आरोपियों के मोबाइल लोकेशन खंगाल रही पुलिस

पटना के बिहटा प्रखंड की राघोपुर पंचायत के पूर्व मुखिया संजय यादव की हत्या के चार दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। मामले में अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। नाराज परिजनों ने पटना पश्चिम सिटी एसपी संकेत कुमार से मुलाकात कर जल्द कार्रवाई की मांग की है।

सिटी एसपी संकेत कुमार ने बताया, मामले की गंभीरता को देखते हुए दो डीएसपी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया है। टीम लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। साथ ही संदिग्धों की मोबाइल टावर लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिसके आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जाएगा और कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की उम्मीद है।

बेटे ने लगाया साजिश का आरोपः मृतक के पुत्र सोनल कुमार ने आरोप लगाया कि घटना वाले दिन उनके पिता कोर्ट में सरेंडर करने जा रहे थे, लेकिन सुनियोजित साजिश के तहत उनकी हत्या कर दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि चार दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है।

न्याय की मांग को लेकर कैंडल मार्चः इस हत्याकांड को लेकर क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। न्याय की मांग को लेकर स्थानीय लोगों द्वारा 16 जुलाई को राघोपुर तीन मोहनी से बिहटा चौक तक कैंडल मार्च निकालने की घोषणा की गई है। परिजनों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी और न्याय नहीं मिला तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। घटना के बाद पिछले दिनों पूर्णिया सांसद पप्पू यादव और पाटलिपुत्र सांसद मीसा भारती भी मृतक के परिजनों से मुलाकात कर चुके हैं।

पुलिस कई बिंदुओं पर कर रही जांचः बिहटा थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया, अभी तक इस मामले में कोई गिरफ्तार नहीं हुआ है, लेकिन पुलिस लागातर छापेमारी कर रही है। फिलहाल मृतक के पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। मृतक के मोबाइल फोन की भी जांच की जा रही है। पुलिस जमीनी विवाद, पुरानी रंजिश और अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। साथ ही मृतक के मोबाइल फोन की भी जांच की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि संजय यादव के खिलाफ बिहटा थाने में पहले से करीब 10 मामले दर्ज थे, जिनमें आर्म्स एक्ट, रंगदारी और अन्य आपराधिक मामले शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

हरसिद्धि पुलिस का समकालीन अभियान, हत्या, हत्या के प्रयास और पॉक्सो के 12 आरोपितों के घर चस्पाया गया इश्तिहार

बीएनएम@ हरसिद्धि। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे समकालीन अभियान के तहत हरसिद्धि थाना पुलिस ने हत्या, हत्या के प्रयास और पॉक्सो एक्ट से जुड़े मामलों में फरार चल रहे आरोपितों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की। अभियान के दौरान कुल 12 फरार आरोपितों के घरों पर ढोल-ताशे के साथ विधिवत इश्तिहार तामिला किया गया। पुलिस के अनुसार, हरसिद्धि थाना कांड संख्या 372/25 (हत्या) में फरार चार आरोपित चंदन कुमार, चंद्रकिशोर सिंह, मनीष सिंह उर्फ अवनीश सिंह तथा सुधांशु कश्यप उर्फ लक्ष्मीकांत सिंह, सभी निवासी कनछेदवा, के घरों पर इश्तिहार चस्पाया गया। इसी प्रकार कांड संख्या 245/26 (हत्या) के आरोपित असलम मियां (मठलोहियार छतवानिया), कांड संख्या 138/23 (हत्या के प्रयास) के आरोपित सद्दाम हुसैन (मठलोहियार नूनिया टोला), कांड संख्या 43/26 (हत्या) की आरोपिता कविता देवी (सिंगहा) तथा कांड संख्या 136/26 (पॉक्सो एक्ट) के आरोपित गोलू कुमार (बिशनपुरा) के घरों पर भी विधिवत इश्तिहार तामिला किया गया। इसके अलावा कांड संख्या 269/26 (हत्या) के फरार आरोपित भोला साह, संजीव कुमार, रीता देवी एवं अरमान मियां, सभी निवासी घिवाढ़ाड़, थाना हरसिद्धि, के घरों पर भी ढोल-ताशे के साथ इश्तिहार चस्पाया गया। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि न्यायालय के आदेश के अनुपालन में यह कार्रवाई की गई है। यदि फरार आरोपित निर्धारित समय के भीतर न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो उनके विरुद्ध कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

हरसिद्धि पुलिस ने गोदाम से 5.58 लीटर शराब बरामद की, कारोबारी की तलाश में छापेमारी जारी

बीएनएम@ हरसिद्धि (पूर्वी चंपारण)। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए हरसिद्धि थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के ओल्हा गांव में एक गोदाम से अवैध विदेशी शराब बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर फरार शराब कारोबारी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, ओल्हा गांव निवासी विकाश दुबे के गोदाम में छापेमारी के दौरान 180 एमएल के 31 फ्रूटी पैक में कुल 5.58 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। बरामद शराब को जब्त कर थाना लाया गया है और मामले में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि, "गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापेमारी कर आरोपी के गोदाम से 5.58 लीटर अवैध शराब बरामद की है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। फरार शराब कारोबारी विकाश दुबे की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। किसी भी कीमत पर अवैध शराब के कारोबार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।"

हरसिद्धि पुलिस ने हत्या और पॉक्सो मामले के दो फरार आरोपितों के घर चस्पाया इश्तिहार

बीएनएम@ हरसिद्धि। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में हरसिद्धि थाना पुलिस ने समकालीन अभियान के तहत हत्या और पॉक्सो एक्ट के मामलों में फरार दो आरोपितों के घरों पर ढोल-ताशे के साथ विधिवत इश्तिहार तामिला किया। पुलिस के अनुसार, हरसिद्धि थाना कांड संख्या 43/26 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत नामजद फरार आरोपिता कविता देवी, पति बिंदा ठाकुर, निवासी सिंगहा, थाना हरसिद्धि, के घर पर विधिवत इश्तिहार चस्पाया गया। वहीं हरसिद्धि थाना कांड संख्या 136/26 में बीएनएस की धाराओं एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 8/12 के तहत नामजद फरार आरोपित गोलू कुमार, पिता स्व. सिकंदर राम, निवासी बिशनपुरा, थाना हरसिद्धि, के घर पर भी न्यायालय के आदेशानुसार इश्तिहार तामिला किया गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि न्यायालय के आदेश के अनुपालन में दोनों फरार आरोपितों के विरुद्ध इश्तिहार की कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि यदि आरोपित निर्धारित अवधि के भीतर न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो उनके विरुद्ध कुर्की-जब्ती की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रामगढ़वा में राजकीय महाविद्यालय का शुभारंभ, अब स्थानीय छात्रों को मिलेगी उच्च शिक्षा की सुविधा

बीएनएम@ रामगढ़वा। बिहार सरकार की 'सात निश्चय पार्ट-2' योजना के तहत पूर्वी चंपारण जिले में स्थापित 15 नए डिग्री महाविद्यालयों में शामिल रामगढ़वा के सिसवनिया स्थित राजकीय महाविद्यालय का बुधवार को मुख्यमंत्री द्वारा वर्चुअल माध्यम से विधिवत उद्घाटन किया गया। सुबह 10:30 बजे आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से महाविद्यालय का शुभारंभ करते हुए राज्य सरकार ने क्षेत्र के युवाओं को स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। उद्घाटन समारोह में सुगौली विधायक बबलू गुप्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश कुमार, अंचलाधिकारी अमित कुमार, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ब्रजेश कुशवाहा, शिक्षकगण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। महाविद्यालय के स्थायी भवन के निर्माण तक इसकी पढ़ाई बुनियादी विद्यालय परिसर से संचालित की जाएगी। वर्तमान में संस्थान में एक प्रधानाचार्य, एक व्याख्याता तथा एक लिपिक की प्रतिनियुक्ति की गई है। महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र सहित छह विषयों में पढ़ाई शुरू की गई है। प्रत्येक विषय में 45-45 सीटें निर्धारित की गई हैं, जिससे कुल 270 सीटों पर नामांकन की व्यवस्था की गई है। अब तक 48 विद्यार्थियों ने नामांकन कराया है। महाविद्यालय में विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बिजली, शुद्ध पेयजल, शौचालय तथा अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था पहले ही सुनिश्चित कर दी गई है। सरकार का उद्देश्य "उन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्य" के संकल्प को साकार करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अपने ही प्रखंड में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना है।

150 एमबीबीएस सीटों की मान्यता से विराट रामायण इंस्टीट्यूट ने रचा इतिहास, उत्तर बिहार को मिलेगा बड़ा लाभ

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC), भारत सरकार ने विराट रामायण इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज कॉलेज एंड हॉस्पिटल, चकिया को 100 अतिरिक्त एमबीबीएस सीटों की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके साथ ही संस्थान में एमबीबीएस सीटों की संख्या 50 से बढ़कर 150 हो गई है। नई सीटें शैक्षणिक सत्र 2026-27 से प्रभावी होंगी।

इस निर्णय को उत्तर बिहार, विशेषकर तिरहुत प्रमंडल के लिए चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। सीटों की संख्या बढ़ने से अब NEET-2026 में सफल होने वाले अधिक छात्र-छात्राओं को एमबीबीएस में प्रवेश का अवसर मिलेगा। साथ ही, क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को भी नई मजबूती मिलेगी।

संस्थान ने आधुनिक आधारभूत संरचना, अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और अनुभवी शिक्षकों एवं चिकित्सकों की टीम के बल पर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। संस्थान प्रबंधन का कहना है कि भविष्य में भी शिक्षा, अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

इस उपलब्धि पर प्रबंधक ने पूर्वी चंपारण के सांसद राधामोहन सिंह, मोतिहारी बार एसोसिएशन के महासचिव राजीव द्विवेदी, चिकित्सकों, शिक्षाविदों, समाजसेवियों एवं अनेक गणमान्य लोगों ने संस्थान और उसके प्रबंधन को बधाई दी है।

संस्थान के डायरेक्टर आलोक शर्मा ने कहा, "यह उपलब्धि केवल सम्मान नहीं, बल्कि हमारे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। हमारा संकल्प है कि आधुनिक तकनीक, अनुभवी संकाय और नैतिक मूल्यों के साथ विद्यार्थियों को उत्कृष्ट चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराएं तथा समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करें।

उन्होंने कहा हमारा प्रयास रहेगा कि विराट रामायण इंस्टिट्यूट उत्तर बिहार ही नहीं, बल्कि पूरे देश में चिकित्सा शिक्षा का एक आदर्श संस्थान बने।"

उन्होंने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC), भारत सरकार तथा सभी जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शुभचिंतकों और बिहारवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का विश्वास ही संस्थान की सबसे बड़ी प्रेरणा और शक्ति है।

81 लीटर नेपाली शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। जितना थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वाहन जांच के दौरान उनके कब्जे से 81 लीटर नेपाली शराब बरामद की, जबकि शराब ढुलाई में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली। पुलिस के अनुसार ग्राम जोलगांवा स्थित देवी मंदिर के समीप सैनिक रोड पर नियमित वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान गुप्त सूचना के आधार पर एक एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल की तलाशी ली गई, जिसमें छिपाकर ले जाई जा रही नेपाली शराब बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रोशन कुमार, पिता रंजीत साह, निवासी पिपरा, थाना जितना तथा महेश शर्मा, पिता राम किशोर शर्मा, निवासी चैनपुर ढाका, थाना ढाका, जिला पूर्वी चम्पारण के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान पुलिस ने 210 बोतल नेपाली कस्तूरी शराब एवं 60 बोतल नेपाली एंबीशन शराब बरामद की। बरामद शराब की कुल मात्रा 81 लीटर आंकी गई है। साथ ही शराब परिवहन में प्रयुक्त एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपितों के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिले में शराब तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने के लिए पुलिस का छापेमारी एवं वाहन जांच अभियान लगातार जारी रहेगा।

बीजधरी पुलिस ने 350.64 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ तस्कर को दबोचा, फर्जी नंबर प्लेट लगी कार जब्त

बीएनएम@ मोतिहारी

बीजधरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक मारुति सुजुकी कार से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद कर एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वाहन को भी जब्त कर मामले में अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार तस्कर की पहचान राहुल, पिता सुभाष चंद्र, निवासी बट्टू, थाना फतेहाबाद, जिला फतेहाबाद (हरियाणा) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान पुलिस ने कार से ऑल सीजन गोल्डन कलेक्शन रिजर्व व्हिस्की के 205 पीस तथा ब्लू स्ट्रोक कंपनी की अंग्रेजी शराब के 1,743 पीस बरामद किए। इस प्रकार कुल 1,948 बोतल (प्रत्येक 180 एमएल) यानी 350.64 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की गई। जांच में यह भी सामने आया कि वाहन पर UP55AX7641 नंबर प्लेट लगी थी, जबकि चेसिस नंबर की जांच में वाहन का वास्तविक पंजीकरण नंबर HR20BB1401 पाया गया। इससे वाहन पर फर्जी नंबर प्लेट लगाए जाने की आशंका भी सामने आई है। बीजधरी थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि, "पुलिस को गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई के दौरान एक मारुति सुजुकी कार से 350.64 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई है। एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। वाहन पर फर्जी नंबर प्लेट लगाए जाने का मामला भी सामने आया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है तथा बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम सहित अन्य सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।"

अल नीनो के प्रभाव और मृदा प्रबंधन पर केवीके परसौनी में कार्यशाला, 200 से अधिक किसानों ने लिया डिजिटल सर्वे में भाग

बीएनएम@ मोतिहारी

कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) परसौनी में "अल नीनो का प्रभावः खरीफ सीजन में फसल उत्पादन और मृदा प्रबंधन रणनीतियाँ" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को अल नीनो के कारण मानसून में संभावित बदलाव, खरीफ फसलों पर उसके प्रभाव तथा वैज्ञानिक मृदा प्रबंधन के उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही 'किसान सारथी' पोर्टल एवं मोबाइल ऐप पर आयोजित लाइव पोल और सर्वे में 200 से अधिक किसानों तथा कृषि विभाग के कर्मियों ने भाग लेकर डिजिटल खेती की दिशा में अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। केवीके परसौनी के वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ. अभय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉ. अंशू गंगवार ने बताया कि किसान सारथी ऐप किसानों तक मौसम की जानकारी, सरकारी योजनाओं, उन्नत कृषि तकनीकों और वैज्ञानिकों से सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। लाइव पोल के जरिए किसानों से खेती-किसानी से जुड़े विभिन्न विषयों पर राय ली गई, जिसमें 200 से अधिक किसानों ने तत्काल प्रतिक्रिया दी। डॉ. अंशू गंगवार ने बताया कि अल नीनो के प्रभाव के कारण इस वर्ष मानसून सामान्य से कम या अनियमित रहने की संभावना है। ऐसे में किसानों को अधिक पानी की आवश्यकता वाली फसलों के बजाय कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली फसलों को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से अरहर और सोयाबीन जैसी दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खेती को लाभकारी बताया। मृदा वैज्ञानिक डॉ. आशीष राय ने किसानों को मृदा की नमी बनाए रखने और सूखे की स्थिति से फसलों की सुरक्षा के लिए वैज्ञानिक उपाय अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खेत में फसल अवशेष या सूखी घास से मल्चिंग करने से वाष्पीकरण कम होता है और मिट्टी में नमी लंबे समय तक बनी रहती है। इसके अलावा गोबर की खाद, केंचुआ खाद एवं हरी खाद के उपयोग से मिट्टी की जल धारण क्षमता बढ़ती है। उन्होंने किसानों को बार-बार गहरी जुताई से बचने की भी सलाह दी, ताकि मिट्टी की प्राकृतिक नमी सुरक्षित रह सके। कार्यशाला में किसानों ने वैज्ञानिकों से विभिन्न कृषि संबंधी समस्याओं पर चर्चा की तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कृषि सेवाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का संकल्प लिया। वैज्ञानिकों ने किसानों से किसान सारथी ऐप का नियमित उपयोग करने और मौसम आधारित कृषि सलाह का पालन करने की अपील की।

डीएम-एसपी ने किया तिवारी टोला का निरीक्षण, कटाव पर सतर्क निगरानी के निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बुधवार को बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, मोतिहारी के कार्यपालक अभियंता ई. रंजन प्रकाश, सहायक अभियंता शांतनु कुमार तथा कनीय अभियंता ई. दिपेश कुमार के साथ चंपारण तटबंध के किलोमीटर 104 के समीप नदी के भीतर लगभग 1.1 किलोमीटर स्थित तिवारी टोला का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि तिवारी टोला वर्तमान में नदी के किनारे से 125 मीटर से अधिक की सुरक्षित दूरी पर स्थित है। जिलाधिकारी ने बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया कि स्थल की लगातार सूक्ष्म निगरानी की जाए तथा संभावित कटाव की स्थिति उत्पन्न होने पर बचाव एवं सुरक्षा के सभी आवश्यक इंतजाम पहले से सुनिश्चित किए जाएं, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

राशन लेने के दोषी शिक्षक से हुई 52 हजार की वसूली, निलंबन पर अब भी फैसला बाकी

बीएनएम@ मोतिहारी/कोटवा

कोटवा प्रखंड के मच्छरगांव मध्य विद्यालय के शिक्षक जैद अहमद पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की दुकान से तीन वर्षों तक राशन लेने के मामले में दोषी पाए जाने के बावजूद अब तक विभागीय निलंबन की कार्रवाई नहीं होने से सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, मामले की जांच के बाद अनुमंडल पदाधिकारी के आदेश पर संबंधित शिक्षक से करीब 52 हजार रुपये की वसूली की गई। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि शिक्षक ने पात्र नहीं होने के बावजूद पीडीएस का लाभ लिया था। सरकारी राशि की वसूली पूरी होने के बाद भी शिक्षा विभाग की ओर से अब तक उनके विरुद्ध निलंबन या अन्य विभागीय कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब जांच में दोष सिद्ध हो चुका है और सरकारी राशि की वसूली भी हो गई है, तो अनुशासनात्मक कार्रवाई में देरी समझ से परे है। उनका कहना है कि सरकारी सेवकों द्वारा नियमों के उल्लंघन के मामलों में समयबद्ध कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे। अब लोगों की निगाह इस बात पर टिकी है कि शिक्षा विभाग दोषी शिक्षक के विरुद्ध निलंबन अथवा अन्य विभागीय कार्रवाई कब तक करता है। यह मामला विभाग की कार्यप्रणाली और जवाबदेही की भी परीक्षा माना जा रहा है। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, कोटवा आनंद मोहन बिहारी ने कहा कि जिला शिक्षा पदाधिकारी से मार्गदर्शन के लिए पत्र भेजा जा रहा है। मार्गदर्शन प्राप्त होते ही नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जिला के 15 प्रखंडों में डिग्री कॉलेजों का शुभारंभ, ग्रामीण छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के खुले नए द्वार

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले के 15 प्रखंडों में नवस्थापित राजकीय डिग्री महाविद्यालयों में मंगलवार को पठन-पाठन का विधिवत शुभारंभ हो गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने कहा कि प्रखंड स्तर पर डिग्री कॉलेजों की स्थापना से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा के नए द्वार खुलेंगे। अब विद्यार्थियों को स्नातक शिक्षा के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा और स्थानीय स्तर पर कम खर्च में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि बिहार के 211 प्रखंडों में एक साथ नवस्थापित डिग्री महाविद्यालयों में पठन-पाठन की शुरुआत की गई। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का उद्घाटन भागलपुर स्थित राजकीय डिग्री कॉलेज, गोराडीह से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया, जिसका सीधा प्रसारण सभी महाविद्यालयों में दिखाया गया। पूर्वी चंपारण का मुख्य समारोह राजकीय डिग्री महाविद्यालय, तुरकौलिया में आयोजित हुआ। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं हरसिद्धि विधायक कृष्ण नंदन पासवान ने संयुक्त रूप से महाविद्यालय में पठन-पाठन का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरि, सदर एसडीओ अरुण कुमार समेत कई अधिकारी, जनप्रतिनिधि, अभिभावक, प्राचार्य एवं शिक्षक उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने इसे पूर्वी चंपारण के लिए ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए कहा कि एक साथ 15 प्रखंडों में डिग्री कॉलेज शुरू होने से ग्रामीण युवाओं को उच्च शिक्षा का बेहतर अवसर मिलेगा और जिले के साथ-साथ बिहार के विकास को नई गति मिलेगी। वहीं विधायक कृष्ण नंदन पासवान ने कहा कि प्रखंड स्तर पर डिग्री महाविद्यालयों की स्थापना शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा कदम है। इससे दूरदराज के विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र में ही उच्च शिक्षा उपलब्ध होगी। उन्होंने इस पहल के लिए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। जिले के संग्रामपुर, मेहसी, बंजरिया, पिपराकोठी, सुगौली, तुरकौलिया, तेतरिया, पताही, फेनहारा, रामगढ़वा, आदापुर, छौड़ादानो, बनकटवा, पकड़ीदयाल एवं चिरैया प्रखंडों में स्थापित राजकीय डिग्री महाविद्यालयों में समारोह आयोजित कर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी कराया गया।

संक्षिप्त समाचार

निःशुल्क नेत्र जांच और टीकाकरण शिविर संपन्न

बीएनएम@ योगापट्टी: 'स्वस्थ दृष्टि अभियान' के अंतर्गत योगापट्टी के बलुआ भवानीपुर पंचायत स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 68 में 0 से 10 वर्ष तक के बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल, मस्तिचक और बजाज फिनसर्व के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

इस शिविर में बच्चों की निःशुल्क नेत्र जांच की गई। विशेषज्ञों ने दृष्टि दोषों की प्रारंभिक पहचान की और गंभीर समस्याओं वाले बच्चों को अस्पताल में निःशुल्क उपचार और परामर्श देने का आश्वासन दिया।नेत्र परीक्षण के साथ-साथ, स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के तहत बच्चों को विभिन्न बीमारियों से बचाव हेतु टीके भी लगाए गए। आंगनबाड़ी सेविका श्रीमती निशा देवी की देखरेख में संपन्न इस कार्यक्रम में अभिभावकों को बच्चों के नेत्र स्वास्थ्य, उचित पोषण और टीकाकरण के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। इस अनूठी पहल का उद्देश्य ग्रामीण बच्चों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ कराना है, जिसकी स्थानीय निवासियों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

बोरे में बंद मिला युवती का शव, पुलिस जांच में जुटी

बीएनएम@ समस्तीपुर। पटोरी थाना क्षेत्र की रूपौली पंचायत के गुड़गामा वार्ड-8 में बुधवार को बाया नदी पुलिया के समीप एक अज्ञात युवती का शव बोरे में बंद मिलने से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पटोरी पुलिस ने शव को नदी से बाहर निकलवाया। शव की स्थिति और उससे आ रही दुर्गंध को देखते हुए पुलिस का अनुमान है कि यह घटना करीब पांच से सात दिन पुरानी हो सकती है।फिलहाल मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेज दिया है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि शव की शिनाख्त के लिए आसपास के थानों और अन्य जिलों से समन्वय स्थापित किया जा रहा है। शव को पहचान के लिए 72 घंटे तक अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखा जाएगा। ग्रामीणों को अंदेशा है कि हत्या कर शव को ठिकाने लगाने के उद्देश्य से बोरे में भरकर नदी में फेंका गया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया है और मामले की हर पहलू से गंभीरता से जांच की जा रही है।

स्कूल में सोते प्रधानाध्यापक पर गिरेगी गाज, स्पष्टीकरण तलब

बीएनएम@ समस्तीपुर: पटोरी प्रखंड के राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय, सरहद माधो के प्रधानाध्यापक मो. साजिद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग ने कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। वीडियो में प्रधानाध्यापक को विद्यालय परिसर में बेंच पर पैर रखकर सोते हुए देखा गया, जिसे संज्ञान में लेते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) कामेश्वर प्रसाद गुप्ता ने 24 घंटे के भीतर उनसे लिखित स्पष्टीकरण तलब किया है।डीईओ ने स्पष्ट किया है कि यदि प्रधानाध्यापक का जवाब संतोषजनक नहीं होता है, तो बिहार सरकारी सेवक नियमावली के तहत उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी नीतीश कुमार को अधिकृत किया गया है। उन्हें निर्देश दिया गया है कि वे स्थल निरीक्षण कर मामले की सत्यता की जांच करें और अपनी विस्तृत रिपोर्ट जल्द से जल्द जिला कार्यालय को सौंपें। इस घटना के बाद से स्थानीय स्तर पर और शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा हुआ है, और अब सबकी नजरें आगामी जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं।

बेतिया राज की 7,272 एकड़ जमीन अब सरकार की

राजस्व विभाग ने जारी की अधिसूचना

बीएनएम@ पटना: बिहार सरकार ने बेतिया राज की ऐतिहासिक संपत्तियों को राज्य में निहित करने की दिशा में एक बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने नए अधिनियम 2024 और नियमावली 2026 के तहत छह जिलों में स्थित कुल 7,272.16 एकड़ भूमि के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है।विभाग के सचिव जय सिंह के अनुसार, इस प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए अंचल, मौजा, खाता और खेसरा जैसी विस्तृत जानकारियों को स्पष्ट किया गया है। अधिसूचित भूमि में पूर्वी चंपारण में सर्वाधिक 7,194.56 एकड़, इसके अलावा पश्चिम चंपारण, गोपालगंज, सारण, सिवान और पटना जिलों की संपत्तियां शामिल हैं।सरकार का उद्देश्य इन धरोहरों का व्यवस्थित संरक्षण करना और राज्यहित में इनका समुचित उपयोग सुनिश्चित करना है। अधिसूचना प्रभावी होने के बाद अब प्रशासनिक स्तर पर कानूनी कार्रवाई तेज कर दी जाएगी। इस पहल से भविष्य में इन संपत्तियों का उपयोग विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यों में प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा, जो राज्य की परिसंपत्तियों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में एक ऐतिहासिक निर्णय है।

युवक की निर्मम हत्या,माथे में मारी गई गोली

बाइक पर मिला खून से लथपथ शव

बीएनएम@ मुजफ्फरपुर: जिले के कोलहुआ पैगंबरपुर चौर के पास बुधवार को एक युवक का शव बाइक पर मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान मुजफ्फरपुर के मोतीपुर निवासी राकेश कुमार के रूप में हुई है, जो यहाँ किराए के मकान में रहकर होर्डिंग लगाने का काम करता था। शव की स्थिति को देखकर प्रतीत होता है कि उसे माथे पर सामने से गोली मारी गई है।सूचना मिलते ही नगर एसडीपीओ-2 विनीता सिन्हा और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची। घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम (एफएसएल) को बुलाकर साक्ष्य एकत्र किए गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया है। एसडीपीओ ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हत्या के पीछे पुरानी रंजिश की आशंका जताई जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं से गहनता से मामले की जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने का दावा किया है। इस घटना से स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश और डर का माहौल है।

भाग-1: हरसिद्धि अंचल में जमीन का फर्जी कागजी खेल

रैयती जमीन और नक्शे की सड़क तक का हुआ पर्चा, सीओ-अमीन-कर्मचारी सवालों के घेरे में

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के हरसिद्धि अंचल कार्यालय में भूमि संबंधी एक मामले ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि उज्जैन लोहियार पंचायत में एक रैयती भूमि के हिस्से का दाखिल-खारिज कथित रूप से दूसरे व्यक्ति के नाम कर दिया गया। मामले को लेकर अंचल कार्यालय की कार्यप्रणाली, राजस्व कर्मियों की रिपोर्ट और अंचलाधिकारी के आदेश पर सवाल उठ रहे हैं।

शिकायतकर्ता के अनुसार थाना संख्या-133, खाता संख्या-163 एवं खेसरा संख्या-2394 की भूमि राजस्व अभिलेखों में बृजकिशोर चौबे, पिता वासुदेव चौबे, के नाम दर्ज है। आरोप है कि इसी भूमि में से लगभग चार डिसमिल जमीन का दाखिल-खारिज जोखू मियां के नाम कर दिया गया। विवाद तब और गहरा गया जब जोखू मियां के पोते इस्लाम मियां ने दावा किया कि उक्त भूमि उनके दादा को पर्चा के माध्यम से आवंटित की गई थी। वहीं शिकायतकर्ता का कहना है कि संबंधित परिवार के पास पहले से ही उसी क्षेत्र में पक्का एवं फूस का मकान मौजूद है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि आखिर किस आधार पर भूमि का पर्चा जारी किया गया।

"मामला मेरे संज्ञान में आया है। ट्रांसफर-पोस्टिंग के कारण कार्यालय में कर्मियों की कमी है। मामले की जांच कराई जाएगी और यदि आरोप सही पाए गए तो वे स्वयं पक्षकार बनकर कार्रवाई करेंगे।"

अरविंद चौधरी
सीओ, हरसिद्धि,पू. च.

बृजकिशोर चौबे का दावा है कि विवादित भूमि वर्षों से उनके कब्जे में है तथा स्वामित्व से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज उनके पास उपलब्ध हैं। उनका आरोप है कि दस्तावेजी स्वामित्व के बावजूद दूसरे व्यक्ति के नाम दाखिल-खारिज किया जाना गंभीर अनियमितता को दर्शाता है।

मामले में यह भी बताया गया है कि अंचलाधिकारी अरविंद चौधरी के आदेश से पूर्व अमीन नीतीश कुमार और राजस्व कर्मचारी कृष्ण मोहन कुमार की रिपोर्ट संलग्न थी। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आदेश पारित करने से पहले उपलब्ध अभिलेखों, नक्शे और वास्तविक स्थिति का समुचित परीक्षण किया गया था या नहीं। इस संबंध में पूछे जाने पर अंचलाधिकारी अरविंद चौधरी ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में आया है। उन्होंने बताया कि ट्रांसफर-पोस्टिंग के कारण कार्यालय में कर्मियों की कमी है। मामले की जांच कराई जाएगी और यदि आरोप सही पाए गए तो वे स्वयं पक्षकार बनकर कार्रवाई करेंगे।

शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए उच्च अधिकारियों से शिकायत की है। वहीं स्थानीय लोगों ने भी अंचल कार्यालय में राजस्व मामलों की पारदर्शी जांच, बिचौलियों की कथित भूमिका की पड़ताल और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

समाचार लिखे जाने तक इस मामले में अन्य संबंधित अधिकारियों का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका था। अंचल कार्यालय भी विस्तृत प्रतिक्रिया देने से बचता नजर आया।

(क्रमशः)

कोहड़ा में डिग्री कॉलेज का उद्घाटन

उच्च शिक्षा की राह हुई आसान

बीएनएम@ योगापट्टी

योगापट्टी प्रखंड के कोहड़ा गांव में लंबे समय से प्रतीक्षित राजकीय डिग्री महाविद्यालय का विधिवत शुभारंभ हो गया है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने ऑनलाइन माध्यम से इस महाविद्यालय का उद्घाटन किया, जबकि स्थानीय स्तर पर प्रखंड प्रमुख के पति शंभू माली ने फीता काटकर इसे राष्ट्र को समर्पित किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने भाग लिया।इस महाविद्यालय की स्थापना योगापट्टी क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। अब क्षेत्र के विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं को स्नातक की पढ़ाई के लिए बेतिया या अन्य शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा, जिससे उनके समय और आर्थिक संसाधनों की बचत होगी। वर्तमान में प्रथम चरण के तहत 75 विद्यार्थियों का नामांकन किया गया है। स्थानीय निवासियों ने सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में यहां आधुनिक पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशालाएं और स्मार्ट कक्षाओं जैसी सुविधाओं के विस्तार की उम्मीद जताई है। इस संस्थान के खुलने से ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा से जुड़कर क्षेत्र का नाम रोशन कर सकेंगे और योगापट्टी शिक्षा के मानचित्र पर एक नई पहचान स्थापित करेगा।

कुण्डवा चैनपुर पुलिस का बड़ा खुलासा: 5 चोर गिरफ्तार, चोरी की बाइक से नेपाल से हो रही थी शराब तस्करी

बीएनएम@ कुण्डवा चैनपुर

कुण्डवा चैनपुर थाना पुलिस ने एक अंतर-थाना सक्रिय चोर और शराब तस्कर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक विधि विरुद्ध बालक भी शामिल है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की चार मोटरसाइकिल, एक लाइनर की बाइक, चार मोबाइल फोन तथा 26.4 लीटर नेपाली देशी शराब बरामद की है। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह चोरी की मोटरसाइकिलों की खरीद-बिक्री करने के साथ-साथ उन्हीं बाइकों का इस्तेमाल नेपाल से शराब तस्करी में करता था। आरोपी मोटरसाइकिल की टंकी और सीट के नीचे विशेष रूप से गुप्त तहखाना बनवाते थे, जिसमें शराब छिपाकर बिहार के विभिन्न इलाकों तक पहुंचाई जाती थी। गुप्त सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ढाका (सिकरहना) अभिषेक कुमार के नेतृत्व में महँगुआ बॉर्डर के समीप सरोज यादव के भुसौली के पास पुलिस ने घेराबंदी की। कार्रवाई के दौरान दो चोरी की बाइक और एक अन्य मोटरसाइकिल के साथ नूर आलम और मोहम्मद समीउल्लाह को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने

दोस्तिया गांव में छापेमारी कर अरविन्द सिंह को एक चोरी की बाइक के साथ तथा धरहरवा गांव से रंजन यादव उर्फ नीरज यादव को दूसरी चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया। मामले में नेनौरा गांव के एक 15 वर्षीय विधि विरुद्ध बालक को भी निरुद्ध किया गया। बरामद सामान में कुल पांच मोटरसाइकिल (चार चोरी की एवं एक लाइनर की), चार स्मार्टफोन तथा 26.4 लीटर नेपाली देशी शराब शामिल है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बरेवा निवासी नूर आलम, कुश्महवा निवासी मोहम्मद समीउल्लाह, दोस्तिया निवासी अरविन्द सिंह, धरहरवा निवासी रंजन यादव उर्फ नीरज यादव तथा घोड़ासहन थाना क्षेत्र के नेनौरा गांव के एक विधि विरुद्ध बालक के रूप में हुई है। इस अभियान में एसडीपीओ अभिषेक कुमार के अलावा घोड़ासहन पुलिस निरीक्षक धनंजय कुमार निर्दोष, कुण्डवा चैनपुर थानाध्यक्ष राहुल कुमार, चिरैया थानाध्यक्ष अम्बेश कुमार, अपर थानाध्यक्ष रमेन्द्र कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक विकास कुमार सिंह, स्थानीय सशस्त्र बल एवं चौकीदारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

एक अधिवक्ता का जीवन : परिवार की दृष्टि से स्वर्गीय अधिवक्ता श्री बंशीधर प्रसाद जी को श्रद्धांजलि

बीएनएम@ मोतिहारी

कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जिनका जीवन केवल उनके परिवार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन जाता है। हमारे पूज्य पिताजी, स्वर्गीय अधिवक्ता श्री बंशीधर प्रसाद जी का जीवन भी ऐसा ही था। उन्होंने अपने सिद्धांतों, ईमानदारी, आत्मसम्मान और न्याय के प्रति अटूट निष्ठा के बल पर न केवल एक सफल अधिवक्ता के रूप में पहचान बनाई, बल्कि एक आदर्श पिता, मार्गदर्शक और संवेदनशील इंसान के रूप में भी अमिट छाप छोड़ी। वर्ष 1946 में जन्मे पिताजी ने वर्ष 1969 में अधिवक्ता के रूप में अपने व्यावसायिक जीवन की शुरुआत की। इसके बाद जीवन के अंतिम क्षणों तक उन्होंने पूरी निष्ठा, ईमानदारी और गरिमा के साथ न्याय व्यवस्था की सेवा की। उनके लिए वकालत केवल जीविका का साधन नहीं थी, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का एक पवित्र माध्यम थी।

सिद्धांतों से समझौता नहीं, आत्मसम्मान सर्वोपरि- हमने अपने पिता को सदैव सादगी और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीते देखा। उन्होंने कभी पद, प्रतिष्ठा या प्रभाव के आगे अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। उनका मानना था कि एक अधिवक्ता की सबसे बड़ी पूँजी उसका ज्ञान, चरित्र और विश्वसनीयता होती है। यही कारण था कि समाज के हर वर्ग के लोग उनका सम्मान करते थे।

घर में भी वे उतने ही सहज और सरल थे जितने अदालत में। प्रशासनिक और न्यायिक अधिकारियों से उनके आत्मीय संबंध थे, किंतु उन्होंने कभी व्यक्तिगत संबंधों को अपने पेशेवर दायित्वों पर हावी नहीं होने दिया। निष्पक्षता उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी पहचान थी।

परिवार के लिए प्रेरणास्रोत- हमारे लिए पिताजी केवल अभिभावक नहीं थे, बल्कि जीवन के प्रथम शिक्षक थे। उन्होंने हमें अनुशासन, समय का सम्मान, कर्तव्यनिष्ठा और सत्य के मार्ग पर चलने की सीख दी। उनके जीवन का एक वाक्य आज भी

हमारे हृदय में अंकित है—

"कल कभी नहीं होता है।"- इन शब्दों में उनका पूरा जीवन-दर्शन समाहित था। वे कहते थे कि जो करना है, आज और अभी करना चाहिए। समय का सम्मान ही सफलता की पहली शर्त है।

युवावस्था में उन्होंने हमें कानून की पढ़ाई करने के लिए कभी बाध्य नहीं किया। किंतु जीवन के अंतिम वर्षों में उन्होंने स्वयं आग्रह किया कि परिवार की अगली पीढ़ी भी न्याय और विधि की परंपरा को आगे बढ़ाए। उनके आशीर्वाद से हमारी बेटी ने भी विधि शिक्षा प्राप्त कर इस परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। यह उनके सपनों को साकार करने जैसा था।

जन्मदिन की अविस्मरणीय स्मृति- पिताजी से जुड़ी अनेक स्मृतियों में मेरे जन्मदिन का विशेष स्थान है। हर वर्ष वे पूरे उत्साह से इस दिन की प्रतीक्षा करते थे। उनके लिए यह केवल जन्मदिन नहीं, बल्कि पूरे परिवार के साथ प्रेम और अपनत्व का उत्सव होता था।

उनके जीवन के अंतिम वर्षों में मुझे उन्हें मुंबई ले जाकर अपना जन्मदिन उनके साथ मनाने का अवसर मिला। उस दिन उनके चेहरे पर जो संतोष, स्नेह और प्रसन्नता थी, वही आज मेरे जीवन की सबसे मूल्यवान स्मृतियों में शामिल है। आज जब वे हमारे बीच नहीं हैं, तब वही पल हमें भावनात्मक संबल प्रदान करते हैं।

रिश्तों को निभाने की अद्भुत कला- पिताजी की महानता केवल उनकी व्यावसायिक उपलब्धियों में नहीं थी, बल्कि उन रिश्तों में भी थी जिन्हें उन्होंने जीवनभर सहेजा। उनके मित्र, सहयोगी, कनिष्ठ अधिवक्ता और परिवार के सदस्य सभी उनके व्यवहार से प्रभावित रहते थे।

विशेष रूप से 'बेटा' (विजय कुमार) का उल्लेख किए बिना उनकी जीवन-यात्रा अधूरी रहेगी। बचपन से हमने उन्हें परिवार के सदस्य की तरह ही देखा। हर सुख-दुख में उनका साथ, समर्पण और सेवा भाव हमारे परिवार के लिए हमेशा अविस्मरणीय रहेगा। उनके प्रति हमारा सम्मान और आभार सदैव बना रहेगा।

मोतिहारी जिला बार संघ के प्रति कृतज्ञता- पिताजी के अधिवक्ता जीवन को सम्मान और प्रतिष्ठा दिलाने में मोतिहारी जिला बार संघ तथा पूरे अधिवक्ता समुदाय का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वर्ष 2013 में जब वे गंभीर रूप से अस्वस्थ हुए, तब बार संघ के सदस्यों ने जिस आत्मीयता और सहयोग का परिचय दिया, उसे हमारा परिवार कभी नहीं भूल सकता।

उनके निधन के बाद भी बार संघ ने केवल नैतिक ही नहीं, बल्कि आर्थिक सहयोग देकर यह सिद्ध किया कि अधिवक्ता समाज केवल एक पेशेवर संगठन नहीं, बल्कि एक परिवार है। इसके लिए हमारा पूरा परिवार सदैव उनका ऋणी रहेगा।

उनकी विरासत- आज जब हम पिताजी को स्मरण करते हैं, तब केवल एक सफल अधिवक्ता को याद नहीं करते, बल्कि एक ऐसे व्यक्तित्व को नमन करते हैं जिसने अपने ज्ञान, अनुशासन, ईमानदारी और न्याय के प्रति समर्पण से असंख्य लोगों का विश्वास जीता।

वे आज भले ही हमारे बीच शारीरिक रूप से उपस्थित नहीं हैं, किंतु उनके संस्कार, उनके विचार, उनका आचरण और उनका जीवन-दर्शन आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा। हम सबकी ओर से स्वर्गीय अधिवक्ता श्री बंशीधर प्रसाद जी को विनम्र श्रद्धांजलि। उनकी स्मृतियाँ हमारे जीवन की सबसे अमूल्य धरोहर रहेंगी।

अरेराज सोमेश्वर नाथ मंदिर प्रांगण का प्रशासनिक निरीक्षण, सुरक्षा और विधि-व्यवस्था पर विशेष जोर

बीएनएम@ अरेराज

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेंगे वॉलिंटियर्स और पुलिस बल, आपात स्थिति के लिए एम्बुलेंस भी रहेगी तैनात

आगामी श्रावणी मेले को व्यवस्थित, सुरक्षित और सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। इसी सिलसिले में जिलाधिकारी सौरभ सुमन और पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने संयुक्त रूप से अरेराज स्थित सुप्रसिद्ध बाबा सोमेश्वर नाथ मंदिर प्रांगण का विस्तृत जायजा लिया। इस अवसर पर अरेराज के अनुमंडल पदाधिकारी अंजली कुमारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार सहित अनुमंडल प्रशासन के अन्य अधिकारी तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित एवं अंचल अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। प्रशासनिक टीम ने मंदिर परिसर एवं मेला क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए सुरक्षा और विधि-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से समीक्षा

की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि श्रावणी मेले के भव्य आयोजन को लेकर यातायात व्यवस्था को पूरी तरह से सुचारू और व्यवस्थित रखा जाए ताकि मंदिर परिसर आने वाले किसी भी श्रद्धालु को आवागमन में कोई असुविधा न हो। इसके लिए प्रशासन द्वारा सभी महत्वपूर्ण स्थलों को चिन्हित कर पर्याप्त संख्या में स्वयंसेवकों और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। इसके साथ ही श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन के लिए चिन्हित जगहों पर मजबूत बैरिकेडिंग कराई जाएगी तथा सभी संवेदनशील बिंदुओं पर दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने पूरे मेला क्षेत्र और मंदिर प्रांगण के चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। मेला क्षेत्र में एक समर्पित सूचना केंद्र भी स्थापित किया जाएगा, जहाँ से हर आवश्यक जानकारी और दिशा-निर्देशों का निरंतर आदान-प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, संपूर्ण मेला क्षेत्र अथवा मंदिर प्रांगण में किसी भी प्रकार की लावारिस या आपत्तिजनक वस्तु दिखने पर तुरंत वरीय पदाधिकारियों को सूचित करने की व्यवस्था की गई है, जिसकी उद्घोषणा सूचना केंद्र के माध्यम से भी लगातार की जाएगी। श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए श्रावणी मेले की पूरी अवधि के दौरान मंदिर परिसर सहित संपूर्ण मेला क्षेत्र में चौबीस घंटे मेडिकल टीमों की प्रतिनियुक्ति रहेगी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि तैनात मेडिकल टीमों के पास सभी आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं और संसाधन अनिवार्य रूप से उपलब्ध होने चाहिए। इसके साथ ही आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए मेला क्षेत्र में एम्बुलेंस की भी मुस्तैद व्यवस्था रहेगी, ताकि आवश्यकता पड़ने पर त्वरित चिकित्सा सहायता प्रदान की जा सके।

पताही में राजकीय डिग्री कॉलेज का शुभारंभ, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया उद्घाटन

बीएनएम@ पताही

» उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पताही को मिली बड़ी सौगात, जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने जताई खुशी

प्रखंड क्षेत्र के लोगों के लिए बुधवार का दिन ऐतिहासिक रहा, जब राजकीय डिग्री कॉलेज, पताही का शुभारंभ बिहार के मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सहित कई अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कॉलेज के शुभारंभ से क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। स्थानीय लोगों ने इसे पताही के शैक्षणिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में जिला परिषद क्षेत्र संख्या-51 के प्रतिनिधि श्याम सुंदर सिंह, जिला पार्षद क्षेत्र संख्या-52 मो. नसीम अख्तर, पताही पूर्वी पंचायत के मुखिया कृष्ण मोहन सिंह, जदयू प्रखंड अध्यक्ष अमीरूल हक,टुनटुन सिंह, सिंहेश्वर सेमिनरी +2 विद्यालय के प्राचार्य रामनरेश पासवान सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर मृत्युंजय ठाकुर, विनोद कुमार पांडेय, नीरज कुमार सिंह, पप्पू सिंह, अरविंद कुमार, सचिन कुमार, निर्भय रंजन, प्रमोद कुमार रवि, अभिमन्यु चंद्रवंशी, मो अशफाक आलम सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। राजकीय डिग्री कॉलेज की शुरुआत से पताही एवं आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अब अपने क्षेत्र में ही उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जिससे शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त होगा।

समूल सुधार की जरूरत

नीट-यूजी, जेईई, सीयूईटी आदि जैसी परीक्षाओं का मौजूदा ढांचा कोई संयोगवश सामने नहीं आया है। यह नीतिगत प्राथमिकताओं का परिणाम है। पूर्व चेतावनियों के बावजूद केंद्र ने इन्हें विभिन्न स्तरों पर लागू किया है। पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ी की अनवरत घटनाओं से भड़के युवा असंतोष के बीच शिक्षा मंत्रालय की नौ सदस्यीय कमेटी इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि कोचिंग संस्थानों का दबदबा तमाम बुराइयों का मूल कारण है। कमेटी के मुताबिक इन संस्थानों को विनियमित करने की जरूरत है, लेकिन यह सिर्फ औचक निरीक्षण या गुमराह करने वाले इश्तहारों पर रोक लगा कर नहीं किया जा सकता। इसके लिए एक राष्ट्रीय कानून बनाने और नीट-यूजी, जेईई, और सीयूईटी जैसी प्रवेश परीक्षाओं का डिजाइन बदलने की जरूरत होगी। डिजाइन ऐसा होना चाहिए, जिससे छात्रों की कोचिंग संस्थानों पर निर्भरता घटे। जून 2025 में शिक्षा मंत्रालय ने उच्चतर शिक्षा सचिव विनीत जोशी की अध्यक्षता में ये कमेटी बनाई थी। मकसद कोचिंग संस्थानों के 'डमी स्कूलÓ बन जाने की समस्या से निजात और प्रवेश परीक्षाओं की स्वच्छता सुनिश्चित करने के बारे में सुझाव देना था। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक कमेटी ने अपनी ड्राफ्ट रिपोर्ट तैयार कर ली है। संभवतः दो हफ्तों में वह अंतिम रिपोर्ट सरकार को सौंप देगी। मगर ड्राफ्ट रिपोर्ट के बारे में सामने आई जानकारियों से नहीं लगता कि समिति समस्या की जड़ तक पहुंची है। नीट, जेईई, सीयूईटी जैसी परीक्षाओं का मौजूदा ढांचा कोई संयोगवश सामने नहीं आया है। यह नीतिगत प्राथमिकताओं का परिणाम है। सीयूईटी का प्रस्ताव जब आया, तो चेतावनी दी गई थी कि इससे स्कूली पढ़ाई का महत्त्व घटेगा और कोचिंग संस्थानों का धंधा बढ़ेगा। फिर भी नरेंद्र मोदी सरकार ने कॉलेजों में दाखिले के लिए ये नया सिस्टम लागू किया। और फिर समस्या सिर्फ इलीट परीक्षाओं तक सीमित नहीं है। पिछले हफ्ते ही महाराष्ट्र में टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट का पेपर लीक हो गया। परीक्षा आयोजन में ऐसी गड़बड़ियां देश भर में और जड़ तक पहुंच चुकी हैं। उनके रहते ऊपरी परीक्षाओं को दोषमुक्त बना लिया जाएगा, यह सोच अपने-आप में समस्याग्रस्त है। अतः जोशी कमेटी की सिफारिशों से मीडिया और आम चर्चाओं को फौरी तौर पर मैनेज करने में भले कुछ कामयाबी मिल जाए, उनसे ध्वस्त होती परीक्षा व्यवस्था नहीं संभलेगी। उसके लिए जिस समग्र और समूल सुधार की जरूरत है, वह फिलहाल सरकार की सोच से बाहर है।

प्रधानमंत्री मोदी के भारत के 5एफ विज़न को बुनता टेक्स 2026

पवित्रा मार्गेरिटा

कश्मीरी पशमीना की नरम गर्माहट से लेकर असम के मूंगा सिल्क की शानदार चमक तक, राजस्थानी बांधनी के जीवंत ज्यामितीय पैटर्न से लेकर कांजीवरम सिल्क की सदाबहार और बेहतरीन बनावट तक, भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता धागों से बुना एक जीता-जागता नक्शा है। आज, सभ्यता की यह बेमिसाल तस्वीर एक ही छत के नीचे एक साथ नज़र आ रही है। नई दिल्ली के प्रसिद्ध भारत मंडपम में 14 से 17 जुलाई तक भारत टेक्स 2026 का आयोजन, हमारे देश की खूबसूरत विविधता को एक ही मंच पर ला रहा है।

वस्त्र उद्योग सिर्फ हमारी विरासत की झलक नहीं है, यह भारत के मैक्रो-इकोनॉमिक ढांचे की एक मज़बूत नींव भी है। यह क्षेत्र लगातार विकास और समानता का एक बहुत बड़ा इंजन बना हुआ है, जो जीडीपी में 2.3त्न, औद्योगिक उत्पादन में 13त्न और निर्यात में8.6त्न का योगदान देता है। कृषिके बाद भारत में सबसे ज़्यादा रोज़गार देने वाला यह क्षेत्र 100 मिलियन से ज़्यादा लोगों की आजीविका का साधन है, जो ग्रामीण समुदायों को मज़बूत बनाता है और देश भर में लाखों महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाता है।

आर्थिक शक्ति के इस केंद्र को सही मायने में समझने के लिए भारत टेक्स का अनुभव करना बेहद ज़रूरी है। यह वैश्विक स्तर पर प्रमुख भारतीय वस्त्रों का व्यापार मेला है, जिसे पूरी दुनिया के सामने हमारे निर्माण और रचनात्मकता की क्षमता का दबदबा दिखाने के लिए तैयार किया गया है। यह एक ऐसा व्यापक बाजार है, जहाँ घरेलू निर्माणकर्ता, राज्यों के पवेलियन, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक और वैश्विक खरीदार एक ही छत के नीचे होते हैं। इससे बड़े पैमाने पर सोर्सिंग, कॉर्पोरेट जुड़ाव और ब्रांड को प्रदर्शित करने के अवसर भी मिलते हैं।

इस शानदार पहल के सफ़र पर नज़र डालें तो मुझे भारत टेक्स के पिछले दो आयोजनों की बेहद गर्व की अनुभूति का स्मरण होता है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत टेक्स के पिछले संस्करण के दौरान संपूर्ण वस्त्र समुदाय को संबोधित किया था, तो उन्होंने बेहद खूबसूरती से कहा था कि हमने जो बीज बोया था, वह अब तेज़ी से बरगद के पेड़ का रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि यह भव्य आयोजन न केवल हमारी समृद्ध परंपराओं का जश्न मनाता है, बल्कि एक विकसित भारत की अपार संभावनाओं को भी उजागर करता है। पहले दो आयोजनों की ज़बरदस्त सफलता ने एक मज़बूत नींव रखी, बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित किया और सहयोग की दिशा में भी तेज़ी देखने को मिली। भारत टेक्स 2025 के दौरान मेरे व्यक्तिगत अनुभव ने भविष्य के लिए एक बहुत ही सकारात्मक नज़रिया हासिल किया, जहाँ मैंने सरकार से सरकार और व्यापार से सरकार के बीच गहन बातचीत को ठोस नतीजों में बदलते देखा और इसी के चलते भारत की कार्य क्षमता में बढ़ते वैश्विक भरोसे की झलक भी दिखी। यह तीसरा आयोजन उस रफ्तार को और आगे ले जाता है और शुरुआती संभावनाओं को पूरी तरह से औद्योगिक प्रभाव में बदलता है।

इस साल के कार्यक्रम का बहुत बड़ा पैमाना एक सोची-समझी औद्योगिक रणनीति को दर्शाता है। भारत मंडपम में खास प्रदर्शनी हॉलों में फैली यह प्रदर्शनी भारत की पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को दिखाती है, जिसमें फाइबर, यार्न, फैब्रिक, कपड़े और फैशन, होम टेक्सटाइल, तकनीकी वस्त्र और सहायक उद्योग शामिल हैं। इसमें 1,600 से ज़्यादा प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं, जो स्थानीय उत्पादन की ताकत को सीधे वैश्विक मंच पर पेश करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी के क्रांतिकारी 5एफ विज़न- फार्म (खेत) से फाइबर से फैक्ट्री से फैशन से फॉरेन (विदेश) तक के सफर को दर्शाता है। पूरी मूल्य श्रृंखला को एक ही औद्योगिक श्रृंखला में जोड़कर, यह कार्यक्रम विनिर्माण के हर चरण को देश में ही संभालने की भारत की आत्मनिर्भर क्षमता को दिखाता है। इस पहल को दुनिया भर से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इस संस्करण में अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जापान, पुर्तगाल, स्पेन, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और नेपाल समेत 14 देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक शामिल हैं, साथ ही, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ का भी मज़बूत संस्थागत प्रतिनिधित्व है। कई देशों के मंत्री-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल और बड़े व्यापारिक प्रतिनिधि दीर्घकालीन साझेदारी की संभावना तलाशने के लिए इसमें हिस्सा ले रहे हैं। उम्मीद है कि चार दिनों में 110 से ज़्यादा पंजीकृत देशों से 7,000 से ज़्यादा खरीददार और 1.3 लाख व्यापारिक आगंतुक आएंगे, जो वहां दिखाए जा रहे 20,000 से ज़्यादा वस्त्र उत्पादों को देखेंगे। इस व्यावसायिक गतिविधि में 3,500 से ज़्यादा खास तौर पर आयोजित बिजनेस टू बिजनेस बैठकें होंगी। इसके अलावा, राज्य निवेशक संपर्क सत्र भी होंगे, जो अलग-अलग भारतीय राज्यों को अपने खास औद्योगिक ढांचे को पेश करने का मंच प्रदान करेंगे। उद्योगों को आगे बढ़ाने हेतु वास्तविक नेतृत्व के लिए ज्ञान और भविष्य की योजना के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की ज़रूरत होती है। भारत टेक्स 2026 इस ज़िम्मेदारी को वैश्विक वस्त्र वार्ता के ज़रिए निभाता है, जिसमें पैनल चर्चा, राउंडटेबल, मास्टरक्लास, राज्य सत्र, अवॉर्ड्स पिच फेस्ट और कार्यशाला जैसे 100 से ज़्यादा खास सत्र शामिल हैं। 370 से ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सीएक्सओ, पॉलिसी निर्माता और अन्वेषकों की अगुवाई में होने वाले ये खास सत्र व्यापार और निवेश को बढ़ाने, तकनीक और नवाचारों को आगे बढ़ाने और फैशन तथा क्राफ्ट को बेहतर बनाने पर फोकस करेंगे। इस कार्यक्रम में व्यापार, निवेशक, तकनीक और संस्थागत सहयोग से जुड़े कई रणनीतिक समझौतों और क्षेत्रों से जुड़ी रिपोर्ट पर हस्ताक्षर और उन्हें लॉन्च भी किया जाएगा।

इन चर्चाओं में वहनीयता और सर्कुलैरिटी जैसे अहम पहलुओं पर भी खास ध्यान दिया जाएगा। पिछले कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया था कि वैश्विक फैशन समुदाय तेज़ी से पर्यावरण के लिए फैशन के दृष्टिकोण को अपना रहा है और वहनीयता हमेशा से भारत की टेक्सटाइल विरासत का अहम हिस्सा रही है। भारत टेक्स का यह संस्करण वैश्विक पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों को एक बड़े अवसर में बदलता है और यह दिखाता है कि कैसे नवाचारों की मदद से हमारी पारंपरिक तकनीकें और बेहतर हुई हैं और इस दौरान ये भी ख्याल रखा गया है कि इस प्रक्रिया में संसाधनों का ज़्यादा से ज़्यादा इस्तेमाल हो सके और बर्बादी कम हो, जिससे हमारे बुनकरों और कारीगरों को सीधा फायदा हो। हमारे वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह जी के नेतृत्व में, मंत्रालय ने ज़मीनी स्तर पर इन आधुनिकीकरण और वहनीय वृद्धि की पहलों को तेज़ी से आगे बढ़ाया है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारी पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को मज़बूत आधुनिक तकनीक, बड़े पैमाने पर लागू होने वाले नीतिगत फ्रेमवर्क और मज़बूत मार्केट लिंकेज का सहारा मिले।

आज भारत टेक्स में लगातार बढ़ता पैमाना और आत्मविश्वास जो दिख रहा है, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से लगातार किए जा रहे नीतिगत सुधारों का नतीजा है। पिछले 12 सालों में, मोदी सरकार ने बड़े बदलाव लाने वाले कदमों के ज़रिए वस्त्र मूल्य श्रृंखलाओं की हर कड़ी को मज़बूत किया है। वस्त्रों के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना ने ?31,687 करोड़ से ज़्यादा के निवेश का वादा हासिल किया है। इससे मैन-मेड फाइबर वाले कपड़ों, फैब्रिक और टेक्निकल टेक्सटाइल के बड़े पैमाने पर निर्माण को बढ़ावा मिला है और साथ ही बड़े पैमाने पर रोज़गार के अवसर भी पैदा हुए हैं। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री के दूरदर्शी 5एफ दृष्टिकोण को अपनाते हुए सात पीएम पार्क को एकीकृत विनिर्माण व्यवस्था के तौर पर विकसित किया जा रहा है। ज़मीनी स्तर पर लोगों को सशक्त बनाने का काम भी तेजी से चल रहा है, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के तहत 794 हैंडलूम क्लस्टर में लगभग ?2,000 करोड़ का निवेश किया गया है। इससे 1.17 लाख बुनकरों को बेहतर करघे मिले हैं और लगभग 90,000 कामगारों को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है। वहीं, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के तहत हस्तशिल्प क्षेत्र में ?1,335 करोड़ से ज़्यादा का निवेश किया गया है। इसके अलावा, 1.5 लाख से ज़्यादा बुनकरों को गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) से जोड़ा गया है और बुनकर मुद्रा योजना के तहत लगभग 3 लाख लोगों को बिना गारंटी के ऋण दिए गए हैं। अपने घरेलू निर्माताओं, कारीगरों और अन्वेषकों को सीधे वैश्विक बाज़ार से जोड़कर, इन व्यापक सुधारों ने हमें उस बड़े वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ने के लिए तैयार किया है, जिसकी झलक इस हफ्ते देखने को मिल रही है।

आज जब हम भारत मंडपम के जीवंत प्रदर्शनी हॉलों पर नज़र डालते हैं, तो हमारा नज़रिया इस व्यापार प्रदर्शनी के तात्कालिक दायरे से कहीं आगे तक विस्तृत होता नज़र आता है। यह आयोजन भारत के वस्त्र उद्योग को 350 बिलियन डॉलर के वैश्विक शक्ति केंद्र में बदलने के हमारे विज़न 2030 रोडमैप में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो विकसित भारत ञ्च 2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ पूरी तरह से मेल खाता है।

(लेखक केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री हैं। व्यक्त किए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत हैं।)

सोनम वांगचुक का लंबा अनशन अब जीवन पर भारी

कांतिलाल मांडोत

विपक्ष की राजनीति से ऊपर उठकर स्वास्थ्य बचाने का समय अनशन नहीं समाधान चाहिए वांगचुक को जीवन बचाकर लोकतांत्रिक संघर्ष का नया रास्ता चुनना चाहिए

दिल्ली के जंतर मंतर पर शिक्षा व्यवस्था में सुधार और कथित परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में सोनम वांगचुक का आमरण अनशन लगातार जारी है। अनशन के सत्रहवें दिन तक पहुंचते पहुंचते उनका स्वास्थ्य चिंताजनक स्थिति में बताया जा रहा है। खबरों के अनुसार उनका वजन लगभग साढ़े आठ किलोग्राम कम हो चुका है और लगातार कमजोरी बढ़ रही है। चिकित्सकीय दृष्टि से यह स्थिति किसी भी व्यक्ति के लिए गंभीर मानी जाती है। लंबे समय तक भोजन से दूर रहने का असर केवल शरीर के वजन पर ही नहीं पड़ता बल्कि हृदय गुर्दे मांसपेशियों और मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर भी पड़ सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी चिंता किसी राजनीतिक मांग से अधिक एक इंसान के जीवन की होनी चाहिए।

सोनम वांगचुक देश के जाने माने शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। शिक्षा पर्यावरण और लद्दाख जैसे संवेदनशील मुद्दों पर उन्होंने वर्षों तक काम किया है। ऐसे व्यक्ति की आवाज लोकतंत्र में महत्वपूर्ण मानी जाती है। किसी भी नागरिक को अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखने और सरकार से जवाब मांगने का अधिकार है। लेकिन जब विरोध का तरीका स्वयं के जीवन के लिए खतरा बनने लगे तब उस पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है। अनशन भारतीय लोकतांत्रिक परंपरा का एक पुराना और प्रभावी माध्यम रहा है। महात्मा गांधी से लेकर अनेक सामाजिक नेताओं ने इसका उपयोग नैतिक दबाव बनाने के लिए किया। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि जब किसी अनशनकारी का स्वास्थ्य लगातार गिरने लगता है तब आंदोलन की दिशा बदलना भी उतना ही आवश्यक हो जाता है। किसी भी आंदोलन का उद्देश्य जीवन की रक्षा करते हुए समाज और व्यवस्था में परिवर्तन लाना होता है न कि स्वयं को ऐसी स्थिति में पहुंचा देना जहां जीवन ही संकट में पड़ जाए। वर्तमान समय में सोनम वांगचुक के समर्थन में कई विपक्षी नेताओं और फिल्मी हस्तियों ने बयान दिए हैं। उनसे अनशन समाप्त करने की अपील भी की गई है। दूसरी ओर सरकार पर संवेदनहीन होने के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह स्वाभाविक है कि लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष के बीच आरोप प्रत्यारोप चलते रहते हैं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में यह भी दिखाई देता है कि राजनीतिक दल अपने अपने दृष्टिकोण से इस मुद्दे को प्रस्तुत कर रहे हैं। सत्ता पक्ष अपनी स्थिति स्पष्ट कर रहा है जबकि विपक्ष सरकार को घेरने का अवसर तलाश रहा है। यही वह बिंदु है जहां सबसे अधिक सावधानी की आवश्यकता है। किसी भी राजनीतिक दल का प्राथमिक उद्देश्य राजनीतिक लाभ प्राप्त करना होता है। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि हर राजनीतिक बयान केवल अनशनकारी के स्वास्थ्य की चिंता से प्रेरित है। विपक्ष सरकार पर हमला कर रहा है और सरकार अपने स्तर पर जवाब दे रही है। लेकिन इस राजनीतिक संघर्ष के बीच सबसे बड़ा नुकसान यदि किसी का हो सकता है तो वह स्वयं सोनम वांगचुक का स्वास्थ्य है।

वास्तविकता यह है कि यदि उनकी तबीयत और अधिक बिगड़ती है तो सबसे बड़ी कीमत उन्हें और उनके परिवार को चुकानी पड़ेगी। राजनीतिक दल अपने अपने एजेंडे के साथ आगे बढ़ जाएंगे लेकिन एक सामाजिक कार्यकर्ता का स्वास्थ्य और जीवन वापस नहीं लौटाया जा सकता। इसलिए यह समय भावनात्मक निर्णयों से अधिक व्यावहारिक सोच का है। लंबे समय तक भूखे रहने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता तेजी से कम होती है। मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। रक्तचाप और शुगर का संतुलन बिगड़ सकता है। हृदय की धड़कन पर भी असर पड़ सकता है। यदि समय रहते चिकित्सा और पोषण नहीं मिले तो स्थिति गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए डॉक्टर भी आमतौर पर लंबे आमरण अनशन को स्वास्थ्य के लिए अत्यंत जोखिमपूर्ण मानते हैं। सोनम वांगचुक यदि अपनी मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखना चाहते हैं तो उसके अनेक लोकतांत्रिक विकल्प उपलब्ध हैं। जनसभाएं की जा सकती हैं। देशव्यापी जनजागरण अभियान चलाया जा सकता है। अदालत का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। विशेषज्ञों के साथ संवाद स्थापित किया जा सकता है। संसद सदस्यों और विभिन्न सामाजिक संगठनों का समर्थन जुटाया जा सकता है। मीडिया और सामाजिक मंचों के माध्यम से भी व्यापक जनमत तैयार किया जा सकता है। इन सभी तरीकों से आंदोलन जीवित रहेगा और नेतृत्व भी सुरक्षित रहेगा। इस पूरे मामले में यदि कॉकरोच जनता पार्टी और आंदोलन से जुड़े अन्य लोग वास्तव में वांगचुक के शुभचिंतक हैं तो उन्हें भी हस्तक्षेप करना चाहिए। किसी भी आंदोलन का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति का जीवन सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि आंदोलन का चेहरा ही गंभीर बीमारी का शिकार हो जाए तो आंदोलन की दिशा भी प्रभावित होती है। इसलिए पार्टी और सहयोगियों को उन्हें सम्मानपूर्वक अनशन समाप्त करने के लिए तैयार करना चाहिए और संघर्ष की नई रणनीति बनानी चाहिए।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद हमेशा टकराव से बेहतर विकल्प होता है। यदि किसी मुद्दे पर व्यापक असंतोष दिखाई दे रहा है तो सरकार को बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास करना चाहिए। इससे तनाव कम होगा और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास भी मजबूत होगा। आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीति से ऊपर उठकर मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की है। किसी भी विचारधारा से मतभेद हो सकते हैं लेकिन किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। सोनम वांगचुक का संघर्ष अपनी जगह महत्वपूर्ण हो सकता है लेकिन उनका जीवन उससे कहीं अधिक मूल्यवान है। इसलिए समय की मांग यही है कि सोनम वांगचुक अपना आमरण अनशन समाप्त करें और लोकतांत्रिक संघर्ष का कोई दूसरा प्रभावी मार्ग चुनें। इससे उनकी बात भी मजबूत होगी और उनका स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा। आंदोलन तभी सफल माना जाएगा जब उसका नेतृत्व स्वस्थ रहकर समाज के लिए आगे भी काम करता रहे। जीवन रहेगा तभी संघर्ष भी जारी रहेगा और बदलाव की संभावना भी बनी रहेगी।

(L 103 जलवंत टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरीष्ठ पत्रकार,साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मेष राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज आपको अच्छी खबर मिलने के योग हैं यह ख़ुशी आपके संतान के करियर को लेकर हो सकती है। मन मुताबिक परिणाम मिलने से आप अपने अंदर भरपूर ऊर्जा और सुकून महसूस करेंगे साथ अपने काम मे अनुशासन और पारदर्शिता बनाए रखें। नई प्रॉपर्टी खरीदने से पहले परिवार वालों के साथ विचार विमर्श अवश्य कर लें पारिवारिक जीवन सुखमय बीतेगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। अगर आज के दिन धैर्य और समझदारी से कार्य करेंगे तो आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आज किसी भी प्रकार का निवेश करते समय अपने बजट का विशेष ध्यान रखें। प्रशासनिक विभाग में कार्यरत लोगों के प्रमोशन और ट्रांसफर के योग बन रहे है। विद्यार्थिओं को चिकित्सा और शोध के क्षेत्रों में आज बड़ी उपलब्धि हासिल होगी।

मिथुन राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। परिवार में मौन रहकर आज परिस्थितियों को समझने की कोशिश करें। रिश्तों में सहयोग और अपनापन बना रहेगा। लवमेट के लिए बेहतरीन समय है,रिश्ते में मजबूती आएगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। इस दौरान आप फिजूल खर्च से बचेंगे, कुछ सेविंग्स भी करेंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज आप अपने परिवार वालों को किसी बड़े रेस्टोरेंट में डिनर पार्टी देंगे परिवार के साथ हंसी-खुशी भरे पल बीतेंगे। आज बिना सोचे-समझे किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। छात्रों को आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। किसी विषय को समझने में आपको अपने सहपाठियों से सहयोग मिलेगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। सिंह लग्न और राशि वालों आपको व्यापार में उम्मीद से अधिक लाभ प्राप्त होगा। सामाजिक गतिविधियों में आपका योगदान आपको अपनी अलग पहचान और मान सम्मान बनाए रखने मदद करेगा। ससुराल पक्ष से आज खुशखबरी मिल सकती है। बच्चे आज आपसे मन की बात बता सकते हैं ।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आज आपकी परफारमेंस बहुत ही डायनेमिक रहेगी। आज पारिवारिक जिम्मेदारिया बढ़ने से थोड़ी थकान महसूस हो सकती है। कोई अनजाना डर जो मन में चल रहा था वो आज अपने दोस्त से शेयर करने से दूर हो सकता है। आज आपकी समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। घर और बिजनेस में उचित तालमेल बनाकर रखने से आप अपनी निजी कार्यों के लिए भी समय निकाल पाएंगे और आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज किसी भी विपरीत परिस्थिति में अपने गुस्से पर नियंत्रण करके मामले को बखूबी संभाल लेंगे । निर्माण कार्य में व्यय होने की संभावना है।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलेपन से कुछ महत्वपूर्ण लोगों से रिश्ते मजबूत होंगे। आज जमीन जायदाद से जुड़े काम निपट जायेंगे। कानून और न्याय क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता मिल सकती है व्यवसाय संबंधी कार्यप्रणाली में कुछ परिवर्तन करने पड़ेंगे है। कारोबारी आज मार्केट एक्सप्लोर करने के लिए उत्साहित रहेंगे।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते है इसके लिए आपको ज्यादा हिम्मत और धैर्य की जरूरत होगी। आज आप जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनायेंगे। महिलाएं बिजनेस कर रही हैं उनका दिन व्यस्तता से भरा होगा, लेकिन शाम को अपनी फैमिली के साथ अच्छा समय बिताएंगी साथ ही रिश्तों मे पारदर्शिता और ईमानदारी आपकी प्राथमिकता होगी।

मकर राशिः आज आपका दिन खुशनुमा पलों से भरा रहेगा। घर में नए मेहमान के आने की खुशी में घर का माहौल उत्सव जैसा रहेगा। आय के स्त्रोतों में बढ़ोत्तरी होने से बिजनेस में बड़ा धनलाभ हो सकता है। संतान की सकारात्मक गतिविधियों पर आपको गर्व महसूस होगा। आज आपको अपने काम में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

कुम्भ राशिः आज आपके जीवन में नई संभावनाएं लेकर आएगा। आज आपकी मुलाक़ात किसी बहुत अट्रैक्टिव और कामयाब इंसान से होगी जिससे आप जीवन में कुछ बेहतर करने के लिए प्रेरित होंगे। रुका हुआ इनकम सोर्स भी आज दोबारा शुरू हो सकता है। रिश्तेदारों के किसी विवादित मामले में आपका सहयोग निर्णायक रहेगा।

मीन राशिःआज आपका दिन बहुत बढ़िया रहने वाला हैं। समय का पूरा सदुपयोग करें और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरी एनर्जी और एकाग्रता से आगे बढ़ेंगे। घर में किसी धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन हो सकता है। आज आप अपने घर को नए तरीके से सजायेंगे। इंपोर्ट-एक्सपोर्ट से जुड़े व्यवसाय में आफिशियल यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

पश्चिम एशिया में बदलता शक्ति-संतुलन और नई कूटनीतिक चुनौतियाँ

राज कुमार सिन्हा

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव एक बार फिर पश्चिम एशिया को वैश्विक राजनीति के केंद्र में ले आया है। हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच सैन्य गतिविधियों, जवाबी कार्रवाइयों और कूटनीतिक टकराव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह विवाद अब केवल दो देशों के बीच का संघर्ष नहीं रह गया है। इसके साथ ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और महाशक्तियों की रणनीतिक प्रतिस्पर्धा जैसे कई आयाम जुड़ चुके हैं। यही कारण है कि पश्चिम एशिया में होने वाली हर घटना का प्रभाव अब पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और कूटनीति पर पड़ता है। अमेरिका की लंबे समय से चली आ रही अधिकतम दबाव की नीति और ईरान की प्रतिरोध रणनीति के बीच टकराव लगातार गहराता गया है। हालिया घटनाक्रम में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के विरुद्ध सैन्य और रणनीतिक कदम तेज किए हैं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार संघर्षविराम की कोशिशों के बावजूद क्षेत्र में तनाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। ईरान ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि वह बाहरी दबाव के आगे झुकने को तैयार नहीं है, जबकि अमेरिका अपने क्षेत्रीय हितों और सहयोगी देशों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहा है। इससे पश्चिम एशिया में अस्थिरता की आशंका लगातार बनी हुई है। इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पहलू होर्मुज जलडमरूमध्य है। दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है। यदि इस मार्ग पर सैन्य तनाव बढ़ता है या जहाजों की आवाजाही बाधित होती है, तो उसका सीधा प्रभाव वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसियाँ भी समय-समय पर चेतावनी देती रही हैं कि इस क्षेत्र में किसी बड़े सैन्य टकराव से तेल की आपूर्ति और कीमतों पर गंभीर असर पड़ सकता है। इसलिए होर्मुज केवल क्षेत्रीय सामरिक महत्व का प्रश्न नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता का भी विषय है। इसी बीच पश्चिम एशिया में महाशक्तियों की सक्रियता भी बढ़ी है। रूस और चीन ने विभिन्न स्तरों पर ईरान के साथ अपने संबंध मजबूत किए हैं। चीन ऊर्जा सहयोग, निवेश और आर्थिक संपर्कों के माध्यम से अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है, जबकि रूस रक्षा और सामरिक सहयोग को नई दिशा देने की कोशिश कर रहा है। इन घटनाक्रमों ने यह संकेत दिया है कि पश्चिम एशिया अब केवल अमेरिकी प्रभाव वाले क्षेत्र के रूप में नहीं देखा जा सकता। यहाँ शक्ति-संतुलन धीरे-धीरे अधिक बहुध्रुवीय स्वरूप ग्रहण कर रहा है। इस बदलते परिदृश्य का प्रभाव क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर भी दिखाई दे रहा है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अन्य खाड़ी देश अब केवल एक महाशक्ति पर निर्भर रहने के बजाय संतुलित कूटनीतिक संबंध विकसित करने की नीति अपना रहे हैं। वे अमेरिका के साथ अपने सुरक्षा संबंध बनाए रखते हुए चीन, रूस और ईरान के साथ भी संवाद बढ़ा रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि पश्चिम एशिया की राजनीति अब पहले की तुलना में कहीं अधिक जटिल और बहुस्तरीय हो चुकी है। पश्चिम एशिया की बदलती परिस्थितियों ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि क्षेत्रीय राजनीति अब केवल सैन्य शक्ति से संचालित नहीं होगी। ऊर्जा संसाधनों, समुद्री व्यापार मार्गों, आर्थिक प्रतिबंधों, प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नियंत्रण जैसे नए कारक कूटनीतिक निर्णयों के केंद्र में आ चुके हैं। यही कारण है कि क्षेत्र के अधिकांश देश अपनी विदेश नीति में अधिक व्यावहारिक और संतुलित दृष्टिकोण अपना रहे हैं। चीन की भूमिका इस संदर्भ में विशेष उल्लेखनीय है। बीते कुछ वर्षों में उसने ऊर्जा सुरक्षा, निवेश और बेल्ट एंड रोड पहल के माध्यम से पश्चिम एशिया में अपनी आर्थिक उपस्थिति लगातार बढ़ाई है। ईरान और सऊदी अरब के बीच संबंधों की बहाली में उसकी मध्यस्थता ने यह संकेत दिया कि बीजिंग अब केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि कूटनीतिक भूमिका निभाने की भी क्षमता रखता है। दूसरी ओर, रूस रक्षा सहयोग, ऊर्जा समन्वय और रणनीतिक साझेदारी के जरिए क्षेत्र में अपना प्रभाव बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। ब्रिक्स के विस्तार और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार जैसे प्रयास भी पश्चिमी प्रतिबंधों के विकल्प तलाशने की व्यापक रणनीति का हिस्सा माने जा रहे हैं। इन घटनाक्रमों का अर्थ यह नहीं है कि अमेरिका का प्रभाव समाप्त हो गया है। अमेरिका अब भी पश्चिम एशिया की सबसे महत्वपूर्ण सैन्य शक्ति है और उसके सुरक्षा गठबंधन क्षेत्रीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। लेकिन इतना स्पष्ट है कि अब उसे ऐसे क्षेत्र का सामना करना पड़ रहा है, जहाँ अन्य शक्तियाँ भी प्रभावी भूमिका निभा रही हैं। परिणामस्वरूप, एकध्रुवीय व्यवस्था की जगह बहुध्रुवीय शक्ति-संतुलन का स्वरूप उभरता दिखाई दे रहा है। यूरोपीय देशों के सामने भी नई कूटनीतिक चुनौती है। एक ओर वे अमेरिका के पारंपरिक सुरक्षा सहयोगी हैं, वहीं दूसरी ओर उनकी ऊर्जा आवश्यकताएँ और व्यापारिक हित उन्हें ईरान तथा खाड़ी देशों के साथ संवाद बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हैं। यही कारण है कि यूरोपीय कूटनीति में भी टकराव के बजाय संवाद और तनाव कम करने के प्रयासों पर अधिक बल दिया जा रहा है। इन परिस्थितियों में यह समझना आवश्यक है कि पश्चिम एशिया का संकट केवल क्षेत्रीय राजनीति का प्रश्न नहीं है। इसका सीधा प्रभाव वैश्विक तेल बाजार, समुद्री व्यापार, महँगाई, आपूर्ति श्रृंखलाओं और विश्व अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। इसलिए अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल दो देशों का विवाद नहीं, बल्कि बदलती अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण परीक्षा भी है। आने वाले समय में यह संघर्ष किस दिशा में जाता है, इससे न केवल पश्चिम एशिया बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन की दिशा भी प्रभावित होगी। भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम केवल दूर बैठे दो देशों का संघर्ष नहीं है, बल्कि उसकी ऊर्जा सुरक्षा, व्यापारिक हितों और विदेश नीति से सीधे जुड़ा प्रश्न है। भारत अपनी तेल आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से पूरा करता है और उसका महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अस्थिरता का प्रभाव भारत की अर्थव्यवस्था, महँगाई, ऊर्जा लागत और आपूर्ति श्रृंखला पर पड़ना स्वाभाविक है। भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी पारंपरिक रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखने की है। एक ओर उसके अमेरिका, इज़राइल और खाड़ी देशों के साथ मजबूत सामरिक एवं आर्थिक संबंध हैं, तो दूसरी ओर ईरान के साथ चाबहार बंदरगाह, अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा और मध्य एशिया तक पहुँच जैसे दीर्घकालिक रणनीतिक हित जुड़े हुए हैं। इसलिए भारत के लिए किसी एक पक्ष के साथ खड़ा होने के बजाय संतुलित और व्यावहारिक कूटनीति अपनाना ही सबसे उपयुक्त विकल्प दिखाई देता है। वर्तमान परिस्थितियाँ यह भी संकेत देती हैं कि पश्चिम एशिया धीरे-धीरे अमेरिकी एकध्रुवीय प्रभाव से निकलकर बहुध्रुवीय शक्ति-संतुलन की ओर बढ़ रहा है। चीन आर्थिक निवेश और कूटनीतिक मध्यस्थता के माध्यम से अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है, जबकि रूस रक्षा और सामरिक सहयोग के जरिए क्षेत्रीय समीकरणों में सक्रिय बना हुआ है। खाड़ी देश भी अब केवल सुरक्षा के प्रश्न पर नहीं, बल्कि निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और क्षेत्रीय सहयोग के आधार पर अपने संबंधों का विस्तार कर रहे हैं। यह परिवर्तन आने वाले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की दिशा को गहराई से प्रभावित कर सकता है। हालाँकि यह भी स्पष्ट है कि केवल शक्ति-संतुलन बदलने से क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित नहीं होगी। पश्चिम एशिया की जटिल समस्याओं का समाधान सैन्य कार्रवाई से अधिक संवाद, विश्वास-निर्माण और बहुपक्षीय कूटनीति में निहित है। यदि प्रतिस्पर्धा और टकराव की राजनीति जारी रहती है, तो इसका प्रभाव केवल क्षेत्रीय सुरक्षा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री व्यापार, निवेश और विश्व अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

फीफा विश्व कप 2026 : स्पेन ने फ्रांस को हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, डलास

मौजूदा यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रांस को मंगलवार को 2-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। टूर्नामेंट की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच खेले गए इस बहुप्रतीक्षित सेमीफाइनल में स्पेन ने शुरुआत से अंत तक दबदबा बनाए रखा, जबकि फ्रांस की टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। अब स्पेन का सामना रविवार को फाइनल में इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। दूसरी ओर फ्रांस अब तीसरे स्थान के मुकाबले में खेलेगा, जो मुख्य कोच दिदिएर डेशां के 14 वर्षीय कार्यकाल का अंतिम मैच भी होगा। स्पेन ने पहले हाफ में बढ़त बनाई, जब मिकेल ओयारजाबाल ने पेनाल्टी को गोल में बदल दिया। यह पेनाल्टी तब मिली जब फ्रांस के लुकास डिन ने लामिन यामाल को गेंद क्लियर करने के प्रयास में फाउल कर दिया। दूसरे हाफ में दानी ओल्मो के बेहतरीन मूव पर पेड्रो पोरो ने शानदार फिनिश करते हुए दूसरा गोल दागा और स्पेन की जीत लगभग तय कर दी। पूरे मुकाबले में फ्रांस की टीम स्पेनिश रक्षा पंक्ति को नहीं तोड़ सकी। कप्तान किलियन एमबाप्पे पूरी तरह स्पेन के खिलाड़ियों की पकड़ में रहे, जबकि बैलन डी'ओर विजेता उस्मान डेम्बेले भी कोई प्रभाव नहीं छोड़ सके। दूसरा गोल खाने तक फ्रांस केवल दो शॉट ही लगा पाया था और उनमें से एक भी निशाने पर नहीं था। टीम के सबसे प्रभावशाली रचनात्मक खिलाड़ी माइकल ओलिसे को भी 72वें मिनट में मैदान से बाहर जाना पड़ा, जिससे साफ हो गया कि फ्रांस का आक्रमण पूरी तरह विफल रहा।

विश्व कप बचाने का दबाव अर्जेंटीना पर : इंग्लैंड डिफेंडर मार्क गुएही

एजेंसी, अटलांटा । फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल से पहले इंग्लैंड के डिफेंडर मार्क गुएही ने कहा है कि मौजूदा विश्व चैंपियन होने के कारण खिताब बचाने का पूरा दबाव अर्जेंटीना पर है, जबकि उनकी टीम बिना किसी दबाव के मैदान में उतरेगी। वहीं डिफेंडर एजरी कोन्सा ने खिलाड़ियों से इंग्लैंड और अर्जेंटीना की ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता से जुड़ी बाहरी चर्चाओं को नजरअंदाज करने की अपील की। इंग्लैंड की टीम मंगलवार को अटलांटा पहुंची, जहां बुधवार को मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम में उसका मुकाबला अर्जेंटीना से होगा। इस मैच के विजेता का सामना फाइनल में स्पेन से होगा। मार्क गुएही ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "हम पर कोई दबाव नहीं है। आखिर दबाव किस बात का? दबाव तो अर्जेंटीना पर है। वे मौजूदा विश्व चैंपियन हैं और उन्हें अपना खिताब बचाना है। हम पर बिल्कुल भी दबाव नहीं है।" उन्होंने आगे कहा, "हर कोई इस मुकाबले को लेकर उत्साहित है। बड़ा मैच है, सामने बड़े खिलाड़ी हैं। हम सभी इस चुनौती का आनंद लेने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।" इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच मुकाबले से पहले दोनों देशों की पुरानी प्रतिद्वंद्विता की खूब चर्चा हो रही है। 1986 विश्व कप में डिएगो माराडोना का विवादित 'हैंड ऑफ गॉड' गोल और 1998 विश्व कप में

डेविड बेकहम का रेड कार्ड आज भी फुटबॉल इतिहास के चर्चित पल हैं। इसके अलावा 1982 के फ़ॉकलैंड युद्ध को लेकर भी दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव रहा है। हालांकि एजरी कोन्सा ने कहा, "हमें सिर्फ अपने खेल पर ध्यान देना है। इतिहास को भूलकर मैदान में उतरना होगा। किसी भी तरह की भावनाओं में बहने की जरूरत नहीं है। हमें वही करना है जो हम सबसे बेहतर कर सकते हैं।" मुख्य कोच थॉमस टुखेल द्वारा नॉर्वे के खिलाफ प्रदर्शन पर की गई आलोचना को लेकर भी कोन्सा ने टीम का पक्ष रखा। उन्होंने कहा, "हमारी टीम एकजुट है। हमारे बीच कोई समस्या नहीं है। ऐसे टूर्नामेंट में मानसिक मजबूती सबसे महत्वपूर्ण होती है। बाहरी बातें हमेशा होती रहेंगी, लेकिन हमें उन्हें नजरअंदाज करना आता है। हम लंबे समय से इस स्तर पर खेल रहे हैं और जानते हैं कि इन चीजों से कैसे निपटना है।"

अर्जेंटीना पर हो रही आलोचना गलत, सेमीफाइनल तक पहुंचना हमारी ताकत का सबूत : कोच स्कालोनी

एजेंसी, अटलांटा

फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड से भिड़ने से पहले अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने अपनी टीम के प्रदर्शन पर हो रही आलोचना को अनुचित बताया है। स्कालोनी ने कहा है कि मौजूदा विश्व चैंपियन छह में छह मुकाबले जीतकर अंतिम चार में पहुंचा है और यह अपने आप में टीम की गुणवत्ता का सबसे बड़ा प्रमाण है। विश्व कप 2026 में लगातार छह जीत दर्ज करने के बावजूद अर्जेंटीना के प्रदर्शन पर सवाल उठाए जा रहे हैं। टीम को राउंड ऑफ-32 में केप वर्डे और क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड के खिलाफ अतिरिक्त समय तक संघर्ष करना पड़ा, जबकि प्री-क्वार्टर फाइनल में मिस्र के खिलाफ 0-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करनी पड़ी। हालांकि स्कालोनी ने इन आलोचनाओं को खारिज करते हुए प्री मैच कॉन्फ्रेंस में कहा, "टीम उतना खराब नहीं खेल रही है, जितना लोग कह रहे हैं। अगर हम यहां तक पहुंचे हैं, तो जाहिर है हमने कुछ सही किया है।" स्कालोनी ने अपनी टीम की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा, "मैं अपने खिलाड़ियों का आभारी हूं। उन्होंने हमें तीन बड़े खिताब दिलाए हैं और अब एक और विश्व कप सेमीफाइनल तक पहुंचाया है। हम फाइनल से सिर्फ एक जीत दूर हैं और वहां पहुंचने के लिए अपना सबकुछ झोंक देंगे।" उन्होंने कहा कि इस स्तर पर खेल की खूबसूरती से ज्यादा नतीजे मायने रखते हैं।

स्पेन ने लगातार 37 मैचों तक अजेय रहकर की इटली के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी

एजेंसी, डलास। फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराने के साथ ही स्पेन ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में इतिहास रच दिया। इस जीत के बाद स्पेन ने 37 मैचों तक अजेय रहने के इटली के सर्वकालिक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। स्पेन की ओर से मिकेल ओयारजाबाल और पेड्रो पोरो ने गोल किए। इस जीत के साथ मौजूदा यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने विश्व कप फाइनल में जगह बना ली, जहां उसका सामना रविवार को न्यू जर्सी में अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। स्पेन ने लगातार 37 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में हार का सामना नहीं किया है। इसके साथ ही उसने इटली के 2018 से 2021 के बीच बनाए गए 37 मैचों के अपराजेय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। स्पेन अब फाइनल जीतकर 2010 की तरह यूरोपीय चैम्पियनशिप और विश्व कप दोनों खिताब अपने नाम करने की दहलीज पर है।

स्पेन से हार के बाद टूटे एमबाप्पे ने कहा, हमने विश्वकप सेमीफाइनल जैसा खेल नहीं खेला

एजेंसी, आर्लिंग्टन

फीफा विश्वकप 2026 के सेमीफाइनल में स्पेन से 0-2 की हार के बाद फ्रांस के कप्तान किलियन एमबाप्पे ने कहा कि उनकी टीम ने वैसा प्रदर्शन ही नहीं किया, जैसा विश्वकप के सेमीफाइनल में होना चाहिए था। उन्होंने माना कि फ्रांस रणनीतिक, तकनीकी और समग्र प्रदर्शन के स्तर पर स्पेन से काफी पीछे रहा। पूरे टूर्नामेंट में आठ गोल कर शानदार फॉर्म में रहे एमबाप्पे अपनी टीम को लगातार तीसरे विश्वकप फाइनल में नहीं पहुंचा सके। स्पेन ने एटीएंडटी स्टेडियम में फ्रांस को हराकर उसका खिताब जीतने का सपना तोड़ दिया। मैच के बाद एमबाप्पे ने फ्रेंच ब्रॉडकास्टर एम6 से कहा, "मुझे नहीं लगता कि हमने वैसा मैच खेला, जैसा हम खेलना चाहते थे। चाहे रणनीति की बात हो, तकनीकी स्तर की या हमारे पूरे प्रदर्शन की, हम हर मोर्चे पर पीछे रहे।" उन्होंने कहा, "जब आप विश्वकप के सेमीफाइनल में वह नहीं करते, जो करना चाहिए तो आप जीत नहीं सकते।" एमबाप्पे ने बताया कि फ्रांस की योजना स्पेन पर आगे से दबाव बनाकर उसे अपने खेल की लय में आने से रोकने की थी। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य था कि हम स्पेन पर आगे से दबाव बनाएं ताकि वह अपने धीमे और नियंत्रित खेल में न आ सके। क्योंकि खेल को नियंत्रित करने में वे हमसे बेहतर हैं लेकिन हम इसमें पूरी तरह असफल रहे।" एमबाप्पे ने हार का सबसे बड़ा कारण मिडफील्ड की कमजोरी को बताया।

बिजनेस

आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना पर राज्य स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

एजेंसी, जयपुर

बैंक ऑफ बड़ौदा के संयोजन में कार्यरत राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) राजस्थान ने बुधवार को भारत सरकार की आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस 5.0) पर राज्य स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, एसएलबीसी राजस्थान की संयोजक एवं बैंक ऑफ बड़ौदा की महाप्रबंधक परिमिता मिश्रा, राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेशन (आरआईटीआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्येन्द्र कुमार, भारतीय रिजर्व बैंक के उप महाप्रबंधक राव क्षितिजराज सिंह, एमएसएमई-डीएफओ के निदेशक प्रदीप ओझा, लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष महेन्द्र मिश्रा तथा एनसीजीटीसी की सहायक महाप्रबंधक मेधा गुरव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि ईसीएलजीएस 5.0 भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जो वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक की सकारात्मक नीतियों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। यह योजना विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र के लिए अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने कहा कि ईसीएलजीएस 5.0 का उद्देश्य वैश्विक व्यवधानों, विशेषकर पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न तरलता संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे उद्यमों को समय पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। इससे उद्योगों का संचालन सुचारु रहेगा, रोजगार सुरक्षित होंगे तथा आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी। उन्होंने बैंकों से योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा उद्यमियों से इसका अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। एसएलबीसी राजस्थान की संयोजक एवं बैंक ऑफ बड़ौदा की महाप्रबंधक परिमिता मिश्रा ने कहा कि ईसीएलजीएस 5.0 केवल वित्तीय सहायता योजना नहीं, बल्कि आर्थिक पुनरुत्थान का मिशन है। उन्होंने कहा कि बैंकों का दायित्व है कि योजना का लाभ प्रत्येक पात्र उद्यमी तक पहुंचाया जाए। आरआईटीआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी संस्थानों और बैंकों के समन्वित प्रयासों पर जोर दिया। कार्यक्रम में एमएसएमई उद्यमियों की सफलता की कहानियां भी प्रस्तुत की गईं तथा पात्र लाभार्थियों को योजना के तहत वित्तीय सहायता के चेक वितरित किए गए। इस दौरान एनसीजीटीसी एवं पीएसबी एलायंस की टीम ने योजना की विस्तृत प्रस्तुति दी और प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग की उप सचिव गरिमा कपूर ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित किया। भारतीय रिजर्व बैंक के उप महाप्रबंधक राव क्षितिजराज सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के बैंकों, विभिन्न ऋणदाता संस्थानों, उद्यमियों और लाभार्थियों के साथ एसएलबीसी राजस्थान के प्रमुख एवं उप महाप्रबंधक राज कुमार मीणा भी उपस्थित रहे।

मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा शेयर बाजार, निवेशकों ने कमाये 3.37 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी, नई दिल्ली

एक दिन की कमजोरी के बाद घरेलू शेयर बाजार आज वापस हरे निशान में पहुंच कर बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। दिन के पहले सत्र में बाजार मामूली उतार-चढ़ाव का सामना करते हुए लगातार बढ़त के साथ कारोबार करता रहा। हालांकि दोपहर एक बजे के करीब बिकवाली का जोरदार दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरकर कुछ देर के लिए लाल निशान में भी पहुंचे। इसके बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांकों ने वापस हरे निशान में जगह बना ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.17 प्रतिशत और निफ्टी 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज बाजार की मजबूती की वजह से निवेशकों को लगभग 3.37 लाख करोड़ रुपये का फायदा हो गया। बीएसई का सेंसेक्स आज 137.82 अंक की मजबूती के साथ 77,192.76 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स 591.33 अंक की मजबूती के साथ 77,646.27 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद काफी देर तक यह सूचकांक मामूली उतार-चढ़ाव के साथ दिन के ऊपरी स्तर के करीब ही कारोबार करता रहा।

दोपहर एक बजे के थोड़ी देर पहले अचानक बिकवाली का दबाव बनने की वजह से यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 663.45 अंक टूट कर 72.12 अंक की कमजोरी के साथ 76,982.82 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर इस सूचकांक को दोबारा हरे निशान में पहुंचा दिया।

पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 202.61 अंक की रिकवरी कर 130.49 अंक की बढ़त के साथ 77,185.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 33.80 अंक की छलांग लगा कर 24,085.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने चौतरफा लिवाली शुरू कर दी, जिससे थोड़ी देर में ही निफ्टी 168.30 अंक की उछाल के साथ 24,220.35 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद दिन के पहले सत्र में लगातार मामूली उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार होता रहा। दिन के दूसरे सत्र में भी करीब एक घंटे तक यही स्थिति बनी रही, लेकिन दोपहर एक बजे के करीब जबरदस्त बिकवाली शुरू हो गई। इस बिकवाली के कारण थोड़ी देर में ही निफ्टी ऊपरी स्तर से 209.80 अंक लुढ़क कर 41.50 अंक की कमजोरी के साथ 24,010.55 अंक के स्तर तक आ गया। इस जोरदार गिरावट के तुरंत बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसके कारण यह सूचकांक वापस हरे निशान में पहुंच कर कारोबार करने लगा। दिनभर हुई लिवाली और बिकवाली के बाद निफ्टी दिन के निचले स्तर से 67.95 अंक सुधर कर 26.45 अंक की मामूली मजबूती के साथ 24,078.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिनभर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, फार्मास्यूटिकल और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही।

सर्राफा बाजार में और सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में आज भी बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज शुरुआती दौर में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। चेन्नई में आज सोने के भाव में 500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 540 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,42,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,42,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,42,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

नवी मुंबई एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय सेवा की शुरूआत, अबूधाबी के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की पहली उड़ान

एजेंसी, नई दिल्ली/अबू धाबी । नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से बुधवार को अंतरराष्ट्रीय सेवा की शुरुआत हुई, जिसमें एयर इंडिया एक्सप्रेस ने एयरपोर्ट से अबूधाबी के लिए पहली उड़ान भरी। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने हवाई अड्डे से अबूधाबी के लिए पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालित की। करीब 100 यात्रियों को लेकर एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान भारतीय समयानुसार देर रात 2:55 बजे (आईएसटी) रवाना हुई। इसने करीब 2.30 (ढाई घंटे) का सफर तय कर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबूधाबी हवाई अड्डे पर लैंडिंग की। एयरलाइन के मुताबिक यह उड़ान एयर इंडिया एक्सप्रेस बोइंग 737 मैक्स 8 विमान से संचालित की गई। उड़ान भरने से पहले विमान के पायलट ने इसे एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण यात्रा बताया। इस उड़ान के साथ जल्दी खराब होने वाले (पेरिशेबल) उत्पादों की पहली अंतरराष्ट्रीय खेप भी भेजी गई। एयर इंडिया एक्सप्रेस हफ्ते में 3 बार अबूधाबी के लिए उड़ानें संचालित करेगी। उल्लेखनीय है कि 25 दिसंबर, 2025 को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से घरेलू सेवाएं शुरू हुई थीं। इस एयरपोर्ट का विकास कई चरणों में नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एनएमआईएएल) कर रही है। यह एक विशेष इकाई है, जिसमें एएएचएल की 74 फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि शेष हिस्सेदारी सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (सिडको) के पास है।

स्टॉक मार्केट में कुसुमगर लिमिटेड की जोरदार शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

इंजीनियरिंग फैब्रिक्स और एयरोस्पेस एवं डिफेंस सॉल्यूशंस का निर्माण करने वाली कंपनी कुसुमगर लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 419 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 36.99 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 574 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 35.80 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 569 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर बीएसई पर 631.35 रुपये और एनएसई पर 625.90 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण अपर सर्किट ब्रेक हो गया। बिकवाली का दबाव बनने पर ये शेयर गिरकर 567.95 रुपये के स्तर तक भी आया, लेकिन बाद में खरीदारों ने लिवाली शुरू कर इस शेयर के भाव को दोबारा तेज कर दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद ये शेयर बीएसई पर 604.45 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 602.80 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को लगभग 44 प्रतिशत का फायदा हो गया। इस कंपनी का 650 करोड़ रुपये का आईपीओ 08 से 10 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 135.80 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 299.51 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 174.28 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

पिटबुल के कॉन्सर्ट में झूमीं अनन्या पांडे, गाया रेन ओवर मी सॉन्ग

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने हाल ही में विंबलडन 2026 पुरुष एकल सेमीफाइनल का मुकाबला देखा। इसके बाद उन्होंने क्यूबा-अमेरिकी रैपर पिटबुल के कॉन्सर्ट का आनंद लेते हुए अपनी कुछ झलकियां भी सोशल मीडिया पर साझा की। अपनी सोशल मीडिया स्टोरी में अनन्या पांडे ने पहले विंबलडन मुकाबले की कुछ झलकियां साझा कीं। इसके बाद उन्होंने पिटबुल के कॉन्सर्ट से एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में वह अन्य प्रशंसकों के साथ वर्ष 2011 के लोकप्रिय गीत रेन ओवर मी पर झूमती और गाती नजर आईं। इस वीडियो के साथ अनन्या पांडे ने कैप्शन में लिखा, पिटबुल एट द पार्क। रेन ओवर मी पिटबुल का लोकप्रिय गीत है, जो उनके छठे स्टूडियो एल्बम प्लैनेट पिट का हिस्सा है। इस गीत में प्यूर्टो रिको-अमेरिकी गायक मार्क एंथनी ने भी अपनी आवाज दी है। इस गीत को पिटबुल, मार्क एंथनी और उनके सहयोगी गीतकारों ने मिलकर लिखा था। पिटबुल ने अपने संगीत करियर की शुरुआत 2000 के दशक की शुरुआत में की थी। वह रेगेटन, लैटिन हिप-हॉप और क्रंक संगीत के लिए जाने जाते हैं। उनका पहला एल्बम एम.आई.ए.एम.आई. था। इसके बाद उनके एल्बम एल मारिएल और द बोटलिफ्ट भी काफी लोकप्रिय हुए और बिलबोर्ड 200 की सूची में शामिल हुए। पिटबुल के चौथे एल्बम पिटबुल स्टारिंग इन रेबेल्यूशन ने उन्हें मुख्यधारा में बड़ी पहचान दिलाई। इस एल्बम के आई नो यू वांट मी (कैले ओचो) और होटल रूम सर्विस जैसे गीत काफी लोकप्रिय हुए। इससे पहले अनन्या पांडे पेरिस हॉट कूचर वीक में शामिल हुई थीं। इसके बाद वह विंबलडन में भी बेहद आकर्षक अंदाज में नजर आईं। मैच के दौरान उन्होंने चमकीले लाल रंग की पॉपलिन ड्रेस पहनी हुई थी। अभिनय की बात करें तो अनन्या पांडे की हालिया फिल्में तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी और चांद मेरा दिल बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं। चांद मेरा दिल एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। इसकी कहानी विवेक सोनी और तुषार परांजपे ने मिलकर लिखी है। फिल्म में अनन्या पांडे के साथ लक्ष्य भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म कॉलेज में प्यार करने वाले एक जोड़े की कहानी है। बड़े होने के बाद जब दोनों नई जिम्मेदारियों का सामना करते हैं, तो उनके रिश्ते की परीक्षा होती है और उन्हें प्यार के बारे में अपनी सोच पर दोबारा विचार करना पड़ता है।

फिल्म 'अंतराल' की शूटिंग शुरु हुई यूनाइटेड किंगडम में

अपकमिंग हिंदी फिल्म 'अंतराल' की शूटिंग यूनाइटेड किंगडम में शुरु हो चुकी हैं। फिल्म में कहानी में है प्यार भी और खतरा भी, जो दर्शकों को एक नई तरह की सिनेमाई यात्रा पर ले जाने का वादा करती है। अभिनेता पुष्कर जोग ने सोशल मीडिया पर सेट से क्लैपबोर्ड की एक झलक शेयर करते हुए इस नए सफर की उत्साहजनक शुरुआत की अनाउंसमेंट की। इस घोषणा ने उनके फैंस और फिल्म इंडस्ट्री में खुशी की लहर दौड़ा दी है, जो उनके नए प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। उन्होंने अपने कैप्शन में लिखा, यूनाइटेड किंगडम में सेट पर अपनी अगली हिंदी हॉरर रोमांटिक ड्रामा फिल्म अंतराल की घोषणा करते हुए उत्साहित हूं। यह एक ब्रिटिश इंडियन क्रॉसओवर फीचर फिल्म है, जिसमें मैं और अनीसा हैं। इस पोस्ट ने फिल्म के बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक आयाम को भी स्पष्ट किया, जो इसे और भी दिलचस्प बनाता है। इस फिल्म में पुष्कर जोग के साथ प्रतिभाशाली अभिनेत्री अनीसा बट नजर आएंगी, जिनकी केमिस्ट्री पर्दे पर देखना रोमांचक होगा। फिल्म को गूजबंप्स एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहा है, जो अपनी अनोखी कहानियों और उच्च प्रोडक्शन मूल्यों के लिए जाना जाता है। इस फिल्म को ब्रिटिश इंडियन फिल्ममेकर तेजा सलादी ने लिखा और डायरेक्ट किया है, जिससे कहानी में एक अंतरराष्ट्रीय स्पर्श और दृष्टिकोण आने की उम्मीद है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी निखिल रानाडे संभाल रहे हैं, जिनकी कलात्मक दृष्टि इस हॉरर रोमांटिक ड्रामा को और भी आकर्षक बनाएगी।

भारतीय सिनेमा में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और लीक से हटकर किरदारों के चयन के लिए पहचाने जाने वाले पुष्कर जोग हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स चुनते हैं जो उन्हें रचनात्मक रूप से चुनौती दें और दर्शकों को कुछ नया अनुभव कराएं। 'अंतराल' भी उसी कड़ी की एक दिलचस्प नई पेशकश है, जहाँ वह एक हॉरर और रोमांस के अनूठे मिश्रण को अपनी अभिनय क्षमता से जीवंत करेंगे। उनका यह चुनाव उनके आत्मविश्वास और नए प्रयोगों के प्रति उनके जुनून को दर्शाता है। पुष्कर के इस नए अपडेट पर फैंस और इंडस्ट्री दोनों की तरफ से काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली है। हर कोई इस फ्रेश और दिलचस्प फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहा है, खासकर इसके अनोखे जॉनर (हॉरर रोमांटिक ड्रामा) और ब्रिटिश-इंडियन क्रॉसओवर होने के कारण। यूके में शूटिंग जारी है, जो फिल्म के प्रोडक्शन के स्तर को और भी बढ़ा देता है। उम्मीद है कि आने वाले हफ्तों में फिल्म से जुड़ी और भी रोमांचक डिटेल्स सामने आएंगी।

हेमा मालिनी को फिल्मों से पहले ही मिल गई थी ड्रीम गर्ल पहचान

अभिनेत्री एवं भाजपा सांसद हेमा मालिनी के फैंस को अक्सर लगता है कि उन्हे ड्रीम गर्ल की पहचान साल 1977 में आई उनकी फिल्म ड्रीम गर्ल की वजह से मिली होगी, लेकिन सच्चाई कुछ और है। हेमा मालिनी को यह खास पहचान बॉलीवुड में कदम रखने से पहले ही मिल गई थी। एक दूरदर्शी निर्माता ने उन्हें ड्रीम गर्ल के रूप में दर्शकों के सामने पेश करना शुरू कर दिया था। वर्षों बाद, खुद हेमा मालिनी ने एक दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए खुलासा किया कि कैसे एक निर्माता की अनूठी सोच ने उनकी पूरी जिंदगी की पहचान तय कर दी। हेमा मालिनी ने यह खुलासा एक लोकप्रिय शो में किया था। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया, जब मेरी पहली हिंदी फिल्म सपनों का सौदागर रिलीज होने वाली थी, तब फिल्म के निर्माता बी. आनंदस्वामी ने प्रमोशन के लिए एक बेहद अलग रणनीति अपनाई। उन्होंने हर जगह ड्रीम गर्ल कमिंग टू टाउन लिखवाना शुरू कर दिया। उस समय कहीं भी मेरा नाम नहीं लिखा जाता था।

यह देखकर मैं खुद हैरान थीं कि आखिर मेरा नाम क्यों नहीं दिख रहा है और यह ड्रीम गर्ल कौन है। हेमा मालिनी ने अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए बताया, मैंने निर्माता से इस बारे में सवाल भी किया था कि मेरा नाम पोस्टर या विज्ञापनों में क्यों नहीं है। तब निर्माता बी. आनंदस्वामी ने मुझसे कहा- यही तुम्हारी नई पहचान बनने वाली है। पहले लोगों के बीच ड्रीम गर्ल का नाम लोकप्रिय होगा और जब यह नाम हर जुबान पर होगा, तब बताया जाएगा कि यह ड्रीम गर्ल आखिर है कौन। इसके बाद तुम्हारा नाम सामने लाया जाएगा। निर्माता की यह अनूठी योजना पूरी तरह सफल रही और देखते ही देखते लोग मुझे ड्रीम गर्ल के नाम से पहचानने लगे। यह एक मार्केटिंग रणनीति थी जो मेरी पहचान बन गई। साल 1968 में रिलीज हुई सपनों का सौदागर हेमा मालिनी की पहली हिंदी फिल्म थी। इस फिल्म का निर्देशन महेश कौल ने किया था, जबकि निर्माता बी. आनंदस्वामी थे। फिल्म में उनके साथ हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता राज कपूर मुख्य भूमिका में नजर आए थे। फिल्म के गीतों को मशहूर संगीतकार जोड़ी शंकर-जयकिशन ने संगीत दिया था। इसी फिल्म के जरिए हेमा मालिनी ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की और आगे चलकर हिंदी सिनेमा की सबसे सफल और प्रतिष्ठित अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं। दिलचस्प बात यह रही कि करीब नौ साल बाद, साल 1977 में हेमा मालिनी ने ड्रीम गर्ल नाम की एक फिल्म में भी मुख्य भूमिका निभाई। इस फिल्म का निर्देशन प्रमोद चक्रवर्ती ने किया था। फिल्म में उनके साथ अशोक कुमार, धर्मेंद्र और प्रेम चोपड़ा जैसे बड़े कलाकार भी नजर आए थे। फिल्म की कहानी एक ऐसी युवती की थी, जो एक अनाथालय चलाने के लिए अलग-अलग रूप धारण कर लोगों से पैसे जुटाती है।

लोकेश कनगराज का धाकड़ डेब्यू

डीसी में खूंखार देवदास बनकर हिला देंगे पर्दा, रिलीज़ डेट तय

डीसी की रिलीज़ डेट तय हो गई है। मशहूर डायरेक्टर लोकेश कनगराज इस फ़िल्म से एक्टिंग की दुनिया में कदम रख रहे हैं। फ़िल्म का नाम डीसी है और इसे अरुण मथेश्वरन डायरेक्ट कर रहे हैं। फ़िल्म में वामिका गब्बी फीमेल लीड रोल में हैं। ताज़ा जानकारी के मुताबिक, मेकर्स ने फ़िल्म की रिलीज़ डेट तय कर ली है। यह फ़िल्म 31 जुलाई 2026 को रिलीज़ होगी। मेकर्स ने किरदारों को दिलचस्प और आकर्षक अंदाज़ में पेश करते हुए नया पोस्टर जारी करके इसकी पुष्टि की। पोस्टर जारी करते हुए मेकर्स ने लिखा, देवदास और चंद्रा बड़े पर्दे पर धूम मचाने के लिए तैयार हैं! डीसी 31 जुलाई से दुनिया भर में रिलीज़ हो रही है। मेकर्स आने वाले दिनों में फ़िल्म का ट्रेलर रिलीज़ करेंगे। अरुण और फ्रैंकलिन जैकब ने डायलॉग लिखे हैं, जबकि अरुण रंजन ने अतिरिक्त स्क्रीनप्ले लिखा है। यह फ़िल्म सन पिक्चर्स बैनर तले बन रही है। फ़िल्म में संजना कृष्णमूर्ति भी अहम भूमिका में हैं और अनिरुद्ध रविचंदर इसके म्यूज़िक डायरेक्टर हैं।

सलमान खान की मातृभूमि के लिए करना पड़ सकता है लंबा इंतजार

सलमान खान की फिल्म मातृभूमि : मे वॉर रेस्ट इन पीस को अगस्त में रिलीज किया जाना था। अब लगता है कि फैंस को इसके लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है, क्योंकि इसकी रिलीज के आसार इस साल तो दूर-दूर तक नहीं दिख रहे हैं। ताजा अपडेट है कि फिल्म को रिलीज करने की हर संभव कोशिश जारी है, लेकिन यह इस साल तक टल सकती है। बता दें, फिल्म मातृभूमि का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्र ने कहा, मामले अभी तक सुलझे नहीं हैं। अगर ये जल्द सुलझ भी जाते हैं, तब भी अच्छी रिलीज स्लॉट मिलना मुश्किल होगा, क्योंकि ज्यादातर तारीखें बुक हो चुकी हैं। हमारी इंडस्ट्री में यह आम बात है कि अभिनेता और फिल्म निर्माता किसी दूसरी फिल्म की पहले से बुक की गई तारीख पर फिल्म रिलीज कर देते हैं। लेकिन सलमान खान अपवाद हैं। वह बेवजह किसी दूसरी फिल्म से टकराव में विश्वास नहीं रखते। सूत्र ने आगे कहा, अगर समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो मातृभूमि अगले साल के लिए टल जाएगी। इसका मतलब यह होगा कि सलमान की 2027 में 2 फिल्में रिलीज हो सकती हैं। सलमान की एसवीसी63 ईद, 2027 पर रिलीज के लिए तैयार है, जिसमें उनके साथ नयनतारा हैं। बता दें, मातृभूमि भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच 2020 में हुए गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है। इसके विषयवस्तु पर आपत्ति के चलते अभी सेंसर प्रमाणपत्र नहीं मिला है।

रेड वेलवेट गाउन में कंगना शर्मा ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

अपनी बोल्डनेस और बेहतरीन स्टाइल स्टेटमेंट के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस कंगना शर्मा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बेहद हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें साझा की हैं, जिन्हें देखकर फैंस के दिलों की धड़कनें तेज हो गई हैं। तस्वीरों में कंगना शर्मा चमकीले लाल रंग का एक शानदार वेलवेट गाउन पहने नजर आ रही हैं। यह एक थाई-हाई स्लिट गाउन है, जो उनके टोंड लेग्स को पूरी तरह फ्लॉन्ट कर रहा है। गाउन का डीप स्वीटहार्ट नेकलाइन डिजाइन कंगना के लुक को और भी ज्यादा बोल्ड और सिजलिंग बना रहा है। इस फुल-स्लीव्स आउटफिट के साथ उन्होंने मैचिंग रेड कलर का स्लिंग बैग कैरी किया हुआ है, जो उनके ओवरऑल अपीयरेंस को कॉम्प्लीमेंट कर रहा है। कंगना ने अपने इस लुक को पूरा करने के लिए बोल्ड रेड लिपस्टिक लगाई है, जो उनके चेहरे पर काफी निखर कर आ रही है। स्मोकी आइज और परफेक्ट ब्लश के साथ उनका फेशियल ग्लो देखते ही बनता है। बालों की बात करें तो उन्होंने अपने वेवी हेयर्स को साइड-पार्टिंग के साथ खुला रखा है, जो उनके कंधों पर बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। गले में पहना हुआ हैवी स्टेटमेंट सिल्वर नेकपीस उनके नेकलाइन को एक रॉयल टच दे रहा है। खुले आसमान के नीचे रात के वक्त क्लिक की गई इन तस्वीरों में कंगना का कॉन्फिडेंस साफ नजर आ रहा है। कंगना एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं।

लेस के कपड़े पहनने की शौकीन हैं? इन 5 आउटफिट को बनाएं अलमारी का हिस्सा

लेस एक ऐसा कपड़ा है, जो नाजुकता और आकर्षण का अनोखा मेल प्रस्तुत करता है। यह न केवल सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि आराम भी देता है। आजकल लेस के कपड़े बहुत लोकप्रिय हो गए हैं, खासकर महिलाओं के बीच। इस लेख में हम आपको 5 ऐसे लेस के कपड़ों के बारे में बताएंगे, जो आपकी अलमारी में चार चांद लगा सकते हैं और आपको हर मौके पर खास महसूस करवाएंगे। लेस की ड्रेस किसी भी अवसर पर पहनने के लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती है। चाहे वह शादी हो या कोई पार्टी, लेस की ड्रेस हमेशा आकर्षक लगती है। यह न केवल आपको सुंदर दिखाती है, बल्कि आरामदायक भी होती है। आप इसे अपने पसंदीदा जूतों और गहनों के साथ मिलाकर एक पूरा लुक बना सकती हैं। लेस की ड्रेस पहनने से आपका लुक न केवल खास लगेगा, बल्कि आप आत्मविश्वास से भरी भी महसूस करेंगी। लेस टॉप रोजमर्रा के उपयोग के लिए बहुत अच्छे होते हैं। इन्हें जींस या स्कर्ट के साथ पहना जा सकता है, जिससे आपका लुक हमेशा नया और ताजगी भरा लगेगा। लेस टॉप न केवल स्टाइलिश होते हैं, बल्कि इन्हें पहनने से आपको पूरा दिन आराम भी महसूस होता है। इन्हें खास मौकों पर भी पहना जा सकता है। लेस टॉप आपके कपड़े के संग्रह में एक अहम हिस्सा बन सकते हैं, जो हर मौके पर आपको खास बनाएंगे। लेस स्कर्ट किसी भी महिला की अलमारी में होना जरूरी होता है। इसे किसी भी साधारण टी-शर्ट

या ब्लाउज के साथ मिलाकर पहना जा सकता है। लेस स्कर्ट पहनने से आपका लुक न केवल खास लगेगा, बल्कि आप आत्मविश्वास से भरी भी महसूस करेंगी। इसे ऊंची एड़ी के जूतों के साथ पहनने से आपका लुक और भी आकर्षक बनता है। लेस स्कर्ट आपके कपड़े के संग्रह में एक अहम हिस्सा बन सकती है, जो हर मौके पर आपको खास बनाएगा। लेस जैकेट ठंड के मौसम में भी फैशन का हिस्सा बन सकती हैं। इन्हें किसी साधारण कुर्ते या टी-शर्ट के ऊपर पहनें और अपना लुक पूरा करें। लेस जैकेट न केवल आपको गर्म रखेगी, बल्कि स्टाइलिश भी दिखाएगी। इसे जींस या फॉर्मल पैंट, दोनों के साथ पहना जा सकता है। लेस जैकेट आपके कपड़े के संग्रह में एक अहम हिस्सा बन सकती है, जो हर मौके पर आपको खास बनाएगा और आपको आत्मविश्वास से भरी महसूस करवाएगी। लेस कुर्तियां पारंपरिक और आधुनिकता का अनोखा मेल प्रस्तुत करती हैं। इन्हें किसी भी पारंपरिक पैंट या धोती के साथ पहना जा सकता है। लेस कुर्तियां न केवल सुंदर दिखाती हैं, बल्कि इन्हें पहनने से आपको पूरा दिन आराम भी महसूस होता है। इन 5 लेस के कपड़ों से आप अपनी अलमारी को नया रूप दे सकती हैं और हर मौके पर खास महसूस कर सकती हैं। इनमें आपको ट्रेंडी लुक मिल जाएगा।

Kuki-Zo Council urges Centre to ensure impartial probe into Manipur violence

New Delhi, Agency: The Kuki-Zo Council (KZC) on Monday urged the Centre to ensure a fair, impartial and time-bound investigation into all incidents of violence in Manipur, including the killing of Kuki-Zo civilians and the burning of villages belonging to the tribal community in recent months.

The council also called for the expediting of meaningful political dialogue aimed at securing a just and lasting solution that addresses the aspirations of the Kuki-Zo people. Addressing a press conference here, the apex body representing the Kuki-Zo tribes of Manipur sought unhindered access to healthcare services for all citizens and demanded adequate protection for Kuki-Zo patients seeking treatment in public institutions.

The KZC also urged the authorities to reopen all blocked routes and ensure the uninterrupted movement of food, medicines, fuel and other essential commodities to Kuki-Zo-inhabited areas. A KZC delegation, which met Intelligence Bureau Director Mahesh Dixit earlier in the day, also called for enhanced security arrangements in vulnerable areas to protect civilians and Kuki-Zo villages and to prevent further attacks.

The council alleged that Naga groups had blocked key roads leading to Kuki-Zo areas following last month's hostage crisis, in which six Naga hostages were killed.

Due to the blockade, food supplies and other essentials were not reaching Kuki-Zo villages in Kangpokpi district, which borders Nagaland, KZC spokesperson Ginza Vualzong said.

The continued disruption of transport routes through Naga-dominated areas, particularly in Senapati district and Namdilong in Imphal West district, has severely affected the movement of essential goods, the council said.

According to the KZC, families in affected areas continue to struggle to access basic necessities, medicines and other critical supplies. The prolonged disruption has reportedly pushed petrol prices up to Rs 250 per litre, while the cost of an LPG cylinder has risen to as much as Rs 5,000, placing a heavy burden on households.

Covid vaccines didn't increase heart attack risk: ICMR study

New Delhi, Agency: A nationwide study by the Indian Council of Medical Research-National Institute of Epidemiology (ICMR-NIE), conducted across 25 tertiary hospitals, has found no link between Covid-19 vaccination and an increased risk of thrombotic events, including heart attacks, among young adults aged 18-45 in India. A thrombotic event refers to the formation of a blood clot inside a blood vessel, obstructing the normal flow of blood. The study, titled "Factors Associated with Thrombotic Events Among Young Adults in India, 2021-23: A Multicentric Hospital-Based Matched Case-Control Study", found that thrombosis was largely driven by established medical and lifestyle risk factors, including smoking, pre-existing comorbidities, a family history of clotting disorders and prior severe Covid-19 infection.

By May 2023, 97 per cent of eligible individuals in India had received at least one dose of a Covid-19 vaccine, while 90 per cent had received the first two doses. The precautionary third dose was initially administered to healthcare and frontline workers, as well as people aged over 60 years with comorbidities, in January 2022. It was subsequently extended to all individuals aged above 60 years and, from April 2022, to all adults aged 18 years and above.

Highlighting the protective benefits of vaccination, the study noted that extensive evidence from India and abroad has established that Covid-19 vaccines significantly reduce the risk of severe disease, hospitalisation, death and long-term complications. The researchers analysed 432 cases of acute myocardial infarction and 767 cases of thrombotic events. "Acute myocardial infarction was associated with a prior history of thrombotic events.

NMC clears 100 additional MBBS seats for Motihari medical college, total intake rises to 150

Sagar Suraj

MOTIHARI : A major boost to medical education in north Bihar, the National Medical Commission (NMC) has approved 100 additional MBBS seats for Virat Ramayan Institute of Medical Sciences and Hospital (VRIMS), Chakia, increasing its annual intake from 50 to 150 students from the 2026-27 academic session.

The approval is expected to significantly expand opportunities for NEET-qualified students, particularly from Tirhut and neighbouring districts, while strengthening the region's capacity for medical education and healthcare services.

The increase in seats comes amid growing demand for medical colleges in Bihar, where thousands of aspirants compete each year for a limited number of government and private MBBS seats. Education experts believe the expansion will help ease the pressure on students seeking admission within the state.

Officials of the institute said the additional intake was cleared after the institution met the infrastructure and faculty requirements prescribed by the National Medical Commission. The institute has developed modern academic facilities, hospital infrastructure and clinical training resources over the past few years.

The management said the expansion would not only create more opportunities for aspiring doctors but also contribute to improving healthcare delivery across north Bihar through a larger pool of trained medical professionals.

Reacting to the development, Director Alok Sharma described the NMC approval as both an achievement and a responsibility.

"Receiving approval for 150 MBBS seats is a matter of pride, but it also increases our responsibility. Our focus will remain on delivering quality medical education through modern infrastructure, experienced faculty and ethical values, while strengthening healthcare services for society," Sharma said.

He thanked the National Medical Commission, the Union government and all stakeholders for their support, adding that the institute aims to emerge as a centre of excellence in medical education and healthcare in Bihar.

The announcement was welcomed by public representatives, members of the medical fraternity, academicians and social organisations, who termed the decision a milestone for higher medical education in the region.

Ravneet Bittu unnecessarily raising issue of those already dead: Capt Amarinder Singh on 'Satluj' row

New Delhi, Agency: Former Punjab Chief Minister and senior BJP leader Capt Amarinder Singh has warned against using the past to polarise people in the present, asserting that there can be no escape from history.

'Speaking on the political fallout of the film 'Satluj', Amarinder, in an exclusive interview with The Tribune, said Union Minister of State for Railways Ravneet Singh Bittu was "unnecessarily raising the issue". Politics The senior BJP leader was reacting to posts on Bittu's social media feed about 'Satluj,' including video clips of deceased and clean-shaven men, and persistent statements that the BJP did not ban the film and should not be held responsible for it.

Instead of piecemeal efforts like the movie, the former Chief Minister said, the entire gamut of incidents should be brought out. "If 25,000 were killed, there were 1,800 policemen who also died fighting these terrorists, as did thousands of other innocent persons. The names of all those who committed excesses on both sides should come out," he said.

Asked what he thought about public screenings of the movie across Punjab, he said he didn't know who was behind the movie being pulled down.

"But let me tell you that the BJP or the Congress will not gain from this. Only the Shiromani Akali Dal, Waris Punjab De and the Akali Dal (Punar Surjit) can probably foresee political gain. That is why these parties are encouraging public screenings," he said. He pointed out that only after the movie was pulled down had it aroused massive public interest. "Had it remained on the platform, it would probably not have garnered such public interest," he said. Politics The former Chief Minister also said there was "no point in running away from history, but that didn't mean history should end up polarising the present".

Living illegally in India since 2025, US national held near Nepal border:

New Delhi, Agency: A US national claiming to be a former naval officer was arrested by the Sashastra Seema Bal (SSB) after he allegedly attempted to cross into Nepal through Uttar Pradesh's Maharajganj district without valid travel documents.

The man was later handed over to the Uttar Pradesh Police. Preliminary investigations revealed that he had allegedly entered India illegally from Sri Lanka and had been residing in Goa since November 2025. GeographicReference His prolonged stay in India without valid documentation has raised questions about how he managed to evade detection for several months.

The individual was arrested near Sonauli while attempting to enter Nepal without authorisation. During questioning, he identified himself as Jordan Brown and stated that he is from California in the United States," ASP Siddhartha said.

The police said Brown allegedly tried to flee after being signalled to stop at the border but was restrained by SSB personnel. During interrogation, Brown allegedly told investigators that he had travelled to Thailand on a tourist visa, where he lost his passport.

"He subsequently reached Sri Lanka via a sea route and arrived in India from there by sea on November 2, 2025," the ASP said. Since then, he had allegedly been living in Goa.

"He was attempting to enter Nepal when he was arrested without any valid travel documents or proof of identity," the officer added. Brown also told the police that he had served in the US Navy and in the Foreign Service until 2024.

'I'll commit suicide': SY Quraishi recalls Manmohan Singh's defence of EC

New Delhi, Agency: Former Chief Election Commissioner SY Quraishi has revealed in a new book that late Prime Minister Manmohan Singh had quietly ticked off Cabinet colleagues for casting aspersions on the poll panel after it censured Salman Khurshid for model code of conduct violations in 2012.

In "India and I", set for July 24 release, Quraishi writes that after he flagged the concerns around ministers' inuendos to Manmohan Singh through his press adviser Harish Khare, the Prime Minister said, "If that is what you think, I will commit suicide." This, the former CEC said, left him shaken as the comments were meant for UPA ministers and not the PM himself.

Not just that, Manmohan Singh said he would have "blasted them (the ministers) had he known about the innuendos".'

He went on to ask Quraishi to "just pick up the phone and call if ever there's something to say".

At the core of the matter, Quraishi recalls in his book, was the EC's 2012 censure of then minister Salman Khurshid, who made a promise during the UT poll campaign that the Congress government, if elected, would raise the quota for Muslims in government jobs from 4.5 per cent to 9 per cent.

"The BJP promptly complained of a model code violation, which stipulated that no new scheme could be announced after the election process was set in motion and the model code of conduct kicked in...Eventually, we 'censured' Khurshid, the strongest action available under the code. He was visibly upset, and soon, voices in his party suggested the commission had become 'arrogant' or 'arbitrary'. Criticism never bothers me; innuendo that chips away at institutional credibility does. This loose talk was not acceptable," writes Quraishi in the Hachette India publication.

After the word reached Manmohan Singh, the latter phoned Quraishi. "The next day, the RAX (Restricted Access Exchange) phone rang. Manmohan Singh came on the line, his voice anxious - 'Quraishi ji, can I see you urgently?' The tone suggested he might come to me. I said, 'Sir, you are the Prime Minister.

TMC accuses ED of bias, Election Commission of 'unconstitutional' conduct

New Delhi, Agency: The Trinamool Congress (TMC) on Monday attacked the Election Commission of India, the Enforcement Directorate (ED) and the BJP-led West Bengal Government, alleging institutional bias, misuse of central agencies and a worsening law and order situation in the state.Addressing the media here, party leaders Mahua Moitra and Sagarika Ghosh said three major issues were at the centre of their concerns -the Election Commission's "unconstitutional conduct," the alleged use of the ED as a political tool against Opposition parties, and attacks on TMC workers amid a deteriorating security situation in the state.

Moitra questioned the Election Commission's handling of a representation submitted by a breakaway faction of the TMC, alleging that the commission acted unusually quickly after receiving the complaint. She said the faction submitted its representation on July 2 and the commission responded within a few hours, which she described as unprecedented compared with the usual pace of proceedings. She further questioned how the faction was allowed to meet the Election Commission when, according to her, properly authorised representatives were normally required for such interactions.

Moitra said the TMC submitted its detailed response along with supporting documents on July 6, both through email and by personally visiting the Election Commission office in New Delhi. She alleged that while the party complied with the deadline, the opposing faction failed to submit its reply on time and was granted an extension until July 10. She claimed that even after the extended deadline passed, the Election Commission had not informed the TMC about any response from the rival faction or the status of the proceedings. Moitra alleged that the process had created an unequal situation, particularly if the party's submitted documents were shared with the other side before its response was filed.

SAD chief Sukhbir Badal's close aide Dalvir Singh Kala shot at by bike-borne attacker in Punjab hospitalised

New Delhi, Agency: Shiromani Akali Dal (SAD) leader Dalvir Singh Kala, a close aide of party chief Sukhbir Singh Badal, was shot at and injured by an unidentified motorcycle-borne assailant in Punjab's Mansa district on Monday evening, police said. The incident took place in Bareta town when Kala, a former Zila Parishad member, was preparing to leave for home from his shop in the local grain market.

According to eyewitnesses, an unidentified man riding a motorcycle intercepted Kala and opened fire before fleeing the spot. "It appeared that a single bullet was fired," local resident Gurjant Singh said, adding that the attacker appeared to be in his 20s, as cited by news agency PTI. Kala suffered a bullet injury and was rushed to a hospital for treatment. His condition was not immediately disclosed.

Police have launched an investigation into the attack and are working to identify and arrest the assailant.

Officials said CCTV footage from the area is being examined as part of the probe, while other forensic and eyewitness evidence is also being collected to establish the motive behind the shooting.

Where are the Gandhi siblings? Why Wayanad landslide has put Rahul, Priyanka in the line of BJP fire

New Delhi, Agency: Where are the Gandhi siblings? This is the question the BJP is asking after leader of the opposition in Lok Sabha Rahul Gandhi and Wayanad MP Priyanka Gandhi Vadra did not visit the constituency following the July 7 landslide that claimed eight lives.

Priyanka is the sitting MP, while Rahul was elected from Wayanad twice in 2019 and 2024. The BJP has reminded the Gandhis of Rahul's promise that Wayanad would have "two MPs", one official and one unofficial, when he was

passing over the baton to Priyanka. A week after the tragedy, the BJP's charge is that Wayanad effectively has neither.

The 'part-time politicians' charge: The BJP has accused the Gandhi siblings of being "part-time politicians" and treating Wayanad as a constituency of political convenience.

BJP MP Sudhanshu Trivedi cited Rahul's defeat in the family bastion of Amethi in 2019 to argue that Wayanad had provided him political ground at a difficult moment.

"When Rahul Gandhi was unsuccessful in saving his political ground on his family seat, Wayanad provided him with political ground," Trivedi said. "When he left that seat and gave it to his sister Priyanka, Rahul Gandhi said Wayanad would have not one, but two MPs. And today, both the so-called MPs are absent from the scene." BJP spokesperson Tuhin Sinha sharpened the attack, calling Rahul and Priyanka "political tourists". He alleged that Rahul had used Wayanad for his political survival after losing Amethi and abandoned it once he won Rae Bareli. He also claimed that Priyanka could leave if a more convenient seat became available. Why Wayanad matters Wayanad has a special connection with the Gandhi siblings. Priyanka Gandhi represents Wayanad in the present Lok Sabha while Rahul Gandhi won from here twice.

In the 2019 Lok Sabha elections, Wayanad elected Rahul Gandhi for Lok Sabha with an impressive margin of over 12 lakh votes. This victory was significant and important for Rahul's political career as the people of Amethi, from where the Gandhi scion was winning since 2014, had rejected him. Rahul had lost the election to BJP's Smriti Irani. Wayanad victory ensured Rahul's continued presence in Lok Sabha. In the 2024 Lok Sabha elections, Rahul Gandhi again won from Wayanad though with a reduced margin.